मुंबई, ठाणे, नवी मुंबई, पनवेल, रायगड़, उल्हासनगर, कल्याण एवं अंबरनाथ का
लोकप्रिय हिंदी दैनिक

उल्हास विकास

■ वर्ष : 44 ■ अंक : 94 ■ मंगलवार, 24 जून 2025 ■ पृष्ठ 4

3 रुपए

@ulhasvikas ulhasvikas@gmail.com

संपादक - हीरो अशोक बोधा BMM, L.L.B., M.A. Mobile.:- 9822045566

epaper.ulhasvikas.com

पृष्ठ.. 4 पर पढ़ें..

'रामायण' में विभीषण बनने वाले थे जयदीप अहलावत

उल्हासनगर में नाला सफाई की खुली पोल

नाला सफाई बनी औपचारिकता

महानगरपालिका का 75 प्रतिशत सफाई का दावा निकला खोखला

■ **हल्की बारिश में भी सड़कें हुईं जलमग्न**

उल्हासनगर. इस वर्ष उल्हासनगर में बाढ़ से बचने के संकल्प के साथ 11,500 मजदूरों, आधुनिक मशीनों और सुनियोजित अभियान के साथ युद्ध स्तर पर नाला सफाई अभियान चलाने वाली उल्हासनगर महानगरपालिका महज चार दिन की बारिश में ही विफल हो गई है। प्रशासन का नाला सफाई का 75 प्रतिशत काम पूरा होने का दावा भी बारिश के पानी में बह गया। कई स्थानों पर पानी बिना जमा हुए सीधे नालों से सड़कों पर बहता हुआ देखा जा रहा है।

नाला सफाई का काम 10 मई से शुरू हुआ था। प्रशासन ने दावा किया था कि मशीनरी और मजदूरों के समन्वय से 43 बड़े नालों और असंख्य छोटे नालों से गाद, प्लास्टिक और रुकावटें हटाने का काम चल रहा है। हालांकि, पिछले कुछ दिनों से चल रही हल्की से मध्यम बारिश के कारण चांदीबाई कॉलेज, शांतिनगर, खेमानी, सी ब्लॉक, गोलमैदान, सुभाष नगर, भारत नगर, कल्याण बदलापुर मार्ग, कुर्ला कैंप और कैंप 1 से 3 जैसे निचले इलाकों की सड़कें जलमग्न नजर आ रही हैं।

बताया जाता है कि मनपा आयुक्त मनीषा आव्हाले, अतिरिक्त आयुक्त डॉ. किशोर गवस, उपायुक्त विशाखा मोटघरे के मार्गदर्शन में यह अभियान युद्धस्तर पर चलाया जा रहा है. हालांकि, स्थानीय लोगों का कहना है कि हकीकत में कई जगहों पर नालियों में कचरा और गाद एक जैसी है. नालियों की सफाई सिर्फ कागजों पर दिखाई जा रही है और नागरिकों का आरोप है कि कार्यान्वयन में कमी है.

विशेष रूप से, पश्चिम में वालधुनी नदी के किनारे के इलाके हर साल बाढ़ का सामना करते हैं। मनपा ने घोषणा की थी कि वह इस साल उस क्षेत्र पर ध्यान केंद्रित करेगी। वहां भी जलभराव देखा गया है। निचले इलाकों में नालों के उफान पर होने से नागरिकों में डर है कि कहीं पानी घरों में न घुस जाए। उल्हासनगर में नाला सफाई अभियान जिस गंभीरता से शुरू किया गया था, उसकी तुलना में वास्तविक नतीजों ने कई सवाल खड़े कर दिए हैं। 75 प्रतिशत नाला सफाई पूरी होने का दावा नागरिकों के अनुभव से मेल नहीं खाता। अगर मानसून के बाकी मौसम में भी यही स्थिति रही तो नागरिकों को और भी बड़ी मुश्किलों का सामना करना पड़ेगा।

क्या नाला सफाई महज औपचारिकता है?

■ प्रशासन के दावे और जमीनी हालात में बड़ा अंतर है। नाला सफाई का काम समय पर शुरू हुआ, बड़ी मात्रा में मैनपावर और मशीनरी लगाई गई। हालांकि, माल ढुलाई, कचरा प्रबंधन और क्रियान्वयन के अंतिम चरण में लापरवाही के कारण अभियान अधूरा नजर आ रहा है।

सर कटी लाश की गुत्थी सुलझी

■ टिटवाला निवासी सौतेले भाई ने की थी हत्या

■ ठाणे ग्रामीण पुलिस ने हत्यारे सलमान को किया गिरफ्तार

⏭ यूसुफ शेख

अंबरनाथ. अंबरनाथ तीन झाड़ पहाड़ी पर मिली सर कटी लाश की मर्डर मिस्ट्री को ग्रामीण पुलिस ने सुलझा लिया है. सौतेले छोटे भाई सलमान मो. गौरी अंसारी (25) ने अपने बड़े भाई फैसल मो. गौरी अंसारी (27) को टिटवाला से कार में बिठाकर तीन झाड़ पहाड़ी पर लाकर उसका सर काट कर हत्या की और सर को अपने साथ ले जाकर नासिक के पास नाले में फेंक दिया था. स्थानीय क्राइम ब्रांच शाखा ठाणे ग्रामीण के वासिंद शाखा के पुलिस उप निरीक्षक महेश कदम ने बड़ी कुशलता के साथ सीसीटीवी फुटेज में वारदात के दिन के लगभग 500 कार को देखा. उसमें एक कार पर उन्हें शक हुआ. नंबर के आधार पर कार मालिक का नाम निकाल कर उसे गिरफ्तार किया गया. सलमान गौरी ने पुलिस के समक्ष स्वीकार किया कि उसी ने उसके सौतेले भाई फैसल की हत्या की है. जो कार पुलिस ने पकड़ी है, उसी में सलमान ने फैसल को साथ में लेकर उसे पहले कल्याण, फिर कोनगांव ले गया. वह उसकी किसी जगह पर हत्या करना चाहता था. उसने आखिर में फैसल को तीन झाड़ी के जंगल में ले जाकर उसकी गला काट कर हत्या कर दी. धड़ को वहीं पर फेंककर वह कटे सर को अपने साथ में ले जाकर बहते नाले में फेंक दिया. सर पुलिस को अभी तक नहीं मिला है. ऐसी जानकारी हमें पुलिस उप निरीक्षक महेश कदम ने दी है.

इस मर्डर मिस्ट्री का हल होना मुश्किल दिखाई दे रहा था. सर कटी लाश की पहचान मुश्किल हो गई थी. मिसिंग कम्प्लेंट भी पुलिस को नहीं मिली थी. सलमान ने पुलिस को बताया कि प्रापर्टी को लेकर विवाद चल रहा था. वासिंद क्राइम ब्रांच शाखा के महेश कदम और उनकी टीम ने बड़ी मेहनत और जांच करके आखिर हत्यारे को गिरफ्तार करके टिटवाला पुलिस के हवाले किया है.

वालधुनी पुल पर भारी वाहनों पर प्रतिबंध

■ **बड़े वाहन चालकों के लिए मुश्किल का सबब**

कल्याण. कल्याण पश्चिम से पूर्व और उल्हासनगर तक यात्रा करने के लिए कई वैकल्पिक मार्ग हैं। उनमें से एक, वालधुनी पुल को अब भारी वाहनों के लिए बंद कर दिया गया है। परिवहन विभाग के समन्वय से इस पुल के दोनों ओर ऊंचाई अवरोधक लगा दिए गए हैं। इसलिए, ऊंचे भारी वाहन इस बैरियर से नहीं गुजर सकेंगे। हालाँकि, माल परिवहन करने वालों को अब काफी असुविधा का सामना करना पड़ेगा।

स्मार्ट सिटी परियोजना के तहत चल रहे काम के कारण कल्याण शहर में यातायात जाम की समस्या बनी हुई है। प्रतिदिन सैकड़ों वाहन पश्चिम से पूर्व और उल्हासनगर की ओर वालधुनी पुल से गुजरते हैं। इससे पुल पर भारी यातायात जाम हो जाता है। इससे पहले विट्ठलवाड़ी एसटी डिपो से बसों को पत्रीपुल की ओर मोड़ने के निर्देश दिए गए थे। तदनुसार, इस पुल पर एसटी यातायात भी बंद कर दिया गया। यह देखना अभी बाकी है कि भारी वाहनों के प्रवेश पर प्रतिबंध लगाने से यह दुविधा हल हो जाएगी या नहीं। वैसे कल्याण न्यायालय और कल्याण स्टेशन जाने के लिए आज भी ब्रिज पर भारी ट्रैफिक जाम रहता है। यहां की सड़क भी खस्ता हालत में है। इस सड़क को भारी वाहनों के लिए बंद कर दिए जाने से लोगों को उल्हासनगर और कल्याण पूर्व के बीच यात्रा करने के लिए शहाड़ या पत्रीपुला पर निर्भर रहना पड़ेगा।

MPDA के तहत आरोपी नासिक जेल रवाना

उल्हासनगर. विठ्ठलवाड़ी पुलिस स्टेशन दर्ज हिस्ट्रीशीटर अपराधी आयुष संजय रॉय (21), (निवासी कृष्णा नगर, दुलारी पाड़ा, उल्हासनगर 4) एमपीडीए अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया है. उसके खिलाफ कई आपराधिक रिकॉर्ड हैं और वह समाज के लिए एक खतरनाक व्यक्ति है।

यह प्रस्ताव ठाणे शहर के पुलिस आयुक्त को प्रस्तुत किया गया, जिसके बाद ठाणे शहर के पुलिस आयुक्त ने आदेश संख्या टीसी/पीडी/डीओ / एमपीडीए /07/2025 दिनांक 18/06/25 के तहत उसे नासिक रोड सेंट्रल जेल में नजरबंदी का आदेश दिया था।

उल्हासनगर मनपा के पूर्व PIO पर 25,000 का जुर्माना

■ **RTI में लापरवाही पर सूचना आयुक्त का सख्त रुख**

नवी मुंबई. महाराष्ट्र राज्य सूचना आयोग, कोंकण खंडपीठ ने 11 जून 2025 को दिए गए एक महत्त्वपूर्ण आदेश में उल्हासनगर महानगरपालिका के सेवानिवृत्त जन सूचना अधिकारी (PIO) अश्विनी आहूजा पर 25 हजार का जुर्माना लगाया है।

जानकारी अनुसार यह कार्रवाई सूचना का अधिकार (RTI) कार्यकर्ता सत्यजीत बर्मन द्वारा दायर द्वितीय अपील के आधार पर की गई, जिसमें उन्होंने जानबूझकर जानकारी देने में देरी और आरटीआई अधिनियम 2005 के तहत नियमों का पालन न करने की शिकायत की थी। सूचना आयुक्त ने अपने आदेश में कहा कि अश्विनी आहूजा ने पीआईओ के रूप में कार्य करते समय अपने कर्तव्यों का निर्वहन करने में गंभीर लापरवाही की, जो कि RTI अधिनियम की धारा 20(1) का स्पष्ट उल्लंघन है। इस आधार पर आयुक्त ने अधिकतम अनुमेय जुर्माना 25,000 लगाए जाने को न्यायोचित ठहराया।

पारदर्शिता को लेकर कड़ा संदेश

इस निर्णय को प्रशासनिक जवाबदेही और पारदर्शिता को मजबूती से लागू करने की दिशा में एक सख्त संदेश के रूप में देखा जा रहा है। यह आदेश अन्य सार्वजनिक अधिकारियों के लिए चेतावनी है कि RTI कानून के पालन में किसी भी तरह की कोताही को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

इ्यूटी पर तैनात ट्रैफिक पुलिस को बाइक सवार ने पीटा

■ **वीडियो वायरल**

कल्याण. कल्याण-शहाड रोड पर भीषण ट्रैफिक जाम के दौरानएक चौंकाने वाली घटना घटी है। इ्यूटी पर तैनात ट्रैफिक पुलिसकर्मी सचिन ओम्बासे और मयूर केने नामक बाइक सवार के बीच जमकर मारपीट हुई। बाइक सवार पर यातायात जाम के दौरान सड़क के गलत साइड पर गाड़ी चलाने का आरोप है। इसी बीच जब पुलिस ने उसे पकड़ लिया तो बाइक सवार ने गुस्से में पुलिस पर हमला कर दिया। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है।

इंटरनेट पर वायरल हुए एक वीडियो में मयूर केने बीच सड़क पर सचिन ओम्बासे की शर्ट का कॉलर पकड़कर उन्हें गाली देते नजर आ रहे हैं। पुलिस ने भी जवाब में उसकी पिटाई की और दोनों के बीच लड़ाई शुरू हो गई। करीब आधे घंटे तक चली हाथापाई के दौरान सड़क से गुजर रहे लोगों ने बीच-बचाव कर झगड़ा रुकवाया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार कल्याण के महात्मा फुले पुलिस स्टेशन में मयूर केने के खिलाफ आधिकारिक शिकायत दर्ज की गई है। हालाँकि, अधिकारियों ने अभी तक इस विवाद पर कोई आधिकारिक बयान नहीं दिया है। स्थानीय लोगों ने कल्याण-शहाद पुल पर अक्सर जाम लगने की शिकायत की है और उचित यातायात प्रबंधन की मांग की है।

उल्हासनगर में बढ़ी भाजपा की ताकत

■ **100 सामाजिक कार्यकर्ताओं का भाजपा में प्रवेश**

उल्हासनगर. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कार्यकाल को सफलतापूर्वक 11 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में शुक्रवार 20 तारीख को भारतीय जनता पार्टी के नवनिर्वाचित जिला अध्यक्ष राजेश वधारिया की अध्यक्षता में आयोजित एक कार्यक्रम में उल्हासनगर के 100 सामाजिक कार्यकर्ता भाजपा में शामिल हुए।

विधायक कुमार आयलानी के जनसंपर्क कार्यालय के पास स्थित पार्टी कार्यालय में मंडल 3बी द्वारा पार्टी प्रवेश कार्यक्रम का आयोजन किया गया। उस समय फालोवर लाइन वाल्मीकि नगर के लगभग 100 सामाजिक कार्यकर्ता प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के कार्यों से प्रेरित होकर और विधायक कुमार आयलानी और जिला अध्यक्ष राजेश वधरिया के नेतृत्व पर भरोसा करते हुए भारतीय जनता पार्टी में शामिल हुए।

इस अवसर पर विधायक कुमार आयलानी, जिला अध्यक्ष राजेश वधारिया, पूर्व जिला अध्यक्ष जमनु पुरसवानी, प्रदीप रामचंदानी, मंडल अध्यक्ष हरेश भाटिया, प्रशांत पाटिल, अजीत सिंह लबाना, अमित वाधवा, डॉ. बलराम कुमावत, होम नारायण वर्मा, गुरदीप सिंह लबाना, अरविंद मिश्रा सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे.

जिला अध्यक्ष राजेश वधारिया ने बताया कि मनपा चुनाव से पहले विभिन्न क्षेत्रों से बड़ी संख्या में सामाजिक कार्यकर्ता पार्टी में शामिल होने के इच्छुक हैं और इसके लिए जल्द ही एक कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा।

सास-ससुर व साले पर हमला

उल्हासनगर. उल्हासनगर में एक दामान ने सास, ससुर और साले पर जानलेवा हमला किए जाने की घटना उल्हासनगर के भारत नगर इलाके में घटी। हमले में तीन लोग घायल हो गए, जिनका सरकारी अस्पताल में इलाज चल रहा है। रेखा गावड़े, चिदानंद गावड़े और रोहित गावड़े घायल हो गए, जबकि हमलावर दामाद की पहचान समाधान बाविस्कर के रूप में हुई है। इस संबंध में विट्ठलवाड़ी पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज किया गया है।

इस बारे में विस्तृत खबर यह है कि समाधान की शादी 20 मई को चिदानंद गावड़े की बेटी से हुई। हालाँकि, शादी के कुछ दिनों के बाद ही पति-पत्नी के बीच छोटी-छोटी बातों को लेकर झगड़े शुरू हो गए। इससे तंग आकर चिदानंद की बेटी समाधान का घर छोड़कर अपने मायके चली गई। इस बार वह अपने साथ घरेलू सामान भी लाई थी जो उसने खरीदा था। हालांकि, दामाद सदानन इन वस्तुओं को मांगने के लिए पांच-छह लोगों को लेकर आए और उनसे मांग करने लगे। जब उन्होंने इसका विरोध किया तो उनके दामाद समेत पांच से छह लोगों ने उन पर जानलेवा हमला कर दिया।

वाट्सएप चैट चेक करने पर पति-पत्नी में झगड़ा

■ **पति व अन्य महिला द्वारा पत्नी की पिटाई**

अंबरनाथ. अंबरनाथ शहर पूर्व में पत्नी ने पति का मोबाइल लेकर वाट्सएप चेक किया, तो उसने देखा कि उसका पति पास की ही एक महिला के साथ चैट करता है. इस बात को लेकर पति ने पत्नी के सर पर कुर्सी दे मारी. घायल पत्नी उज्ज्वला राजू भोसले (35) ने पति राजू भोसले और महिला संतोषी बोराडे के विरुद्ध शिवाजी नगर पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज कराया है. महालक्ष्मी नगर निवासी उज्ज्वला ने पुलिस को बताया कि उसके पति राजू के मोबाइल पर संतोषी का फोन कॉल और चैट देखकर वह संतोषी के घर गई और उससे पूछा कि वह उसके पति को कॉल और चैट क्यों करती है. दोनों में झगड़ा हुआ तो संतोषी ने उसे मारा और गाली गलौज करके उज्ज्वला के घर गई और पति राजू से कहा कि उसकी पत्नी ने उसे मारा है. ये सुनकर राजू रोष में आ गया और पास में रखी कुर्सी उठाकर पत्नी के सर पर दे मारा और हाथ से आंख पर मारा, जिसके कारण वह घायल हो गई है. उज्ज्वला का आंख सूज गई है. शिवाजी नगर पुलिस ने राजू भोसले और संतोषी बोराडे पर अपराध दर्ज कर लिया है. मामले की जांच पुलिस हवलदार संदीप धुले कर रहे हैं.

अंबरनाथ, हिल लाइन पुलिस स्टेशन की इमारतें तैयार

अम्बरनाथ. ठाणे पुलिस आयुक्त आशुतोष डुंबरे ने जोन 4 के अंतर्गत आने वाले दो पुलिस स्टेशनों, अंबरनाथ और उल्हासनगर, हिल लाइन के सुसज्जित और आधुनिक भवनों का निरीक्षण किया। उम्मीद है कि इन दोनों पुलिस स्टेशन भवनों का उद्घाटन समारोह आगामी दिनों में मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे द्वारा किया जाएगा।

अंबरनाथ पुलिस स्टेशन, एसीपी कार्यालय और उल्हासनगर में हिल लाइन पुलिस स्टेशन की इमारतें खतरनाक स्थिति में थीं। कई वर्षों से पुलिसकर्मी अपनी जान हथेली पर रखकर यहां काम कर रहे हैं। अंततः, दो वर्ष पूर्व, दोनों पुलिस स्टेशनों के लिए नए भवनों के निर्माण का कार्य शुरू हुआ, जिससे दोनों के लिए वैकल्पिक स्थान उपलब्ध हो गए। इन दोनों पुलिस थानों के तैयार भवन का निर्माण एवं आंतरिक साज-सज्जा का कार्य पूरा हो चुका है। इन नये भवनों में स्थित कार्यालयों से शीघ्र ही कानून एवं व्यवस्था कायम रखी जा सकेगी। इससे पहले गुरुवार को डुंबरे ने इन दोनों इमारतों का निरीक्षण किया। पुलिस आयुक्त डुंबरे ने शिवाजी नगर पुलिस स्टेशन और पुलिस उपायुक्त कार्यालय का दौरा किया और कर्मचारियों की समस्याओं और कार्यों की समीक्षा की।

उल्हास नदी के तट पर NDRF के जवान मुस्तैद

■ **जिला आपदा प्रशासन बाढ़ की स्थिति को नियंत्रित करने के लिए तैयार**

कल्याण. जिले में भारी बारिश के कारण जिला आपदा प्रशासन सतर्क हो गया है. उल्हास नदी के तट पर शहाड क्षेत्र में एनडीएआरएफ बल तैनात किया गया है. भारी बारिश के कारण बाढ़ की स्थिति निर्मित होने या बाढ़ की स्थिति उत्पन्न होने पर एनडीआरएफ या टीडीआरएफ की टीम को पहुंचने में अधिक समय लगता था. हालांकि, अब जब कल्याण डोंबिवली क्षेत्र में एनडीएआरएफ बल पहुंच गया है, तो आपदा की स्थिति में बाढ़ पीड़ितों के लिए तत्काल राहत कार्य किया जाएगा.

भारी बारिश के कारण जिले की नदियां उफान पर हैं. इसके अलावा कल्याण डोंबिवली में खतरनाक इमारत गिरने का दौर शुरू हो गया है. हर साल उल्हासनगर शहर में इमारतों के स्लैब गिरने का दौर शुरू हो जाता है. इस बीच बदलापुर, उल्हास नदी और हाजीमलंग क्षेत्र में बाढ़ की स्थिति निर्मित हो जाती है. इसके अलावा हाजीमलंग में भूस्खलन की घटनाएं हो रही हैं. हाल ही में हाजीमलंग में एक व्यक्ति की आकस्मिक मृत्यु भी हो गई थी. हर साल हाजीमलंग और कोंडेश्वर इलाकों में नदी के तल में अप्रत्याशित जलस्तर के कारण जानमाल के नुकसान की घटनाएं होती हैं.

उल्हासनगर शहर में हर साल खतरनाक इमारतों के स्लैब लगातार गिरते रहते हैं. शहर के बीचों-बीच स्थित शहाड़ इलाके में एनडीआरएफ की टीम तैनात की गई है. बाढ़ की स्थिति में नागरिकों को तत्काल राहत पहुंचाने के लिए जिला आपदा प्रशासन ने एहतियात बरती है. कल्याण डोंबिवली और उल्हासनगर, अंबरनाथ, बदलापुर इलाकों में दुर्घटनाएं होने के बाद ठाणे से केवल टीडीआरएफ की टीम ही रवाना होती थी. ठाणे जिला आपदा प्रशासन की सतर्कता के कारण बाढ़ पीड़ितों और दुर्घटना पीड़ितों को तत्काल मदद मिलेगी.

हाल ही में ठाणे जिले के पालक मंत्री एकनाथ शिंदे ने भी आपदा प्रशासन की बैठक ली थी. इसके बाद अब यह देखने को मिल रहा है कि कल्याण में तुरंत एनडीआरएफ की टीम तैनात की गई है.

ठाणे शहर के साथ-साथ अब कल्याण, डोंबिवली, उल्हासनगर, बदलापुर, अंबरनाथ और ग्रामीण क्षेत्रों में आपदा की स्थिति में समय पर राहत पहुंचाई जा सकेगी. कल्याण, डोंबिवली और आसपास के क्षेत्रों में अगर कोई दुर्घटना होती है तो हम उपकरणों के साथ तत्काल राहत कार्य करने के लिए तैयार हैं. चूंकि इस समय लगातार बारिश हो रही है, इसलिए हम नदियों के जलस्तर के साथ-साथ शहरों में होने वाली गतिविधियों पर भी नजर रख रहे हैं.

-राजेंद्र कांबले,
एनडीआरएफ टीम प्रमुख,
बटालियन-5 पुणे

अंबरनाथ-डोंबिवली राजमार्ग नदी में तब्दील

■ **भारी बारिश में ड्राइवरों झेल रहे परेशानी**

कल्याण. जोरदार बारिश के कारण राजमार्ग पर पानी भर गया है। डोंबिवली-अंबरनाथ राजमार्ग पर नेवाली में भयावह स्थिति उत्पन्न हो गई है। भारी बारिश में वाहन चालकों को रास्ता ढूंढने में काफी परेशानी हो रही है। हालांकि, वाहन चालक इस बात से हैरान हैं कि प्रशासन और जनप्रतिनिधियों ने इस स्थिति पर आंखें मूंद ली हैं। आशंका व्यक्त की जा रही है कि दुर्घटनाओं का मौसम शुरू होने वाला है, क्योंकि राजमार्ग पर बाढ़ आ गई है और जल स्तर का अनुमान नहीं लगाया जा सकता। लेकिन इस गंभीर स्थिति पर कौन ध्यान देगा और यह कब होगा, इसका उत्तर अनुत्तरित है।

एमआईडीसी के डोंबिवली-अंबरनाथ राजमार्ग की हालत बेहद खराब हो गई है। कई स्थानों पर सड़कें गड्ढों से भरी हुई हैं, यहां तक कि प्राकृतिक नालियां भी अवरुद्ध हो गई हैं।

इस कारण नेवाली चौक के आसपास हाईवे नदी का रूप ले रहा है। यदि लगातार भारी बारिश होती है तो राजमार्ग पर पानी बहने लगता है। हालाँकि, चूंकि एमआईडीसी और जन प्रतिनिधियों ने कार्य की समीक्षा नहीं की है, इसलिए आम वाहन चालकों को इसका असर महसूस होने लगा है।

मानसून से पहले वाहन चालकों में दहशत

इस राजमार्ग पर बदलापुर, अंबरनाथ, उल्हासनगर और कल्याण पूर्व के श्रमिक यात्रा करते हैं। हालाँकि, वर्तमान में राजमार्ग पर बनी नदी लगातार बारिश शुरू होने के बाद बहने लगती है। इससे वाहन चालक असमंजस में पड़ गए हैं। एमआईडी सहित जनप्रतिनिधि नेवाली की इस समस्या पर कब ध्यान देंगे? यह देखना महत्वपूर्ण होगा.

जैसे पके हुए फलों को गिरने के सिवा कोई भय नहीं वैसे ही पैदा हुए मनुष्य को मृत्यु के सिवा कोई भय नहीं. – वाल्मीकि

उल्हास विकास संपादकीय

गिरोहबंद कानून का दुरुपयोग

उत्तर प्रदेश में गिरोहबंद कानून के दुरुपयोग के खिलाफ आवाज उठने लगी है। ऐसे आरोप लगते रहे हैं कि इस कानून का इस्तेमाल राजनीतिक विरोधियों का दमन करने, किसी का उत्पीड़न करने या बदनाम करने के लिए भी किया जाता है। इस संबंध में लोग अदालतों के दरवाजे खटखटाने लगे हैं। बिना किसी उचित प्रक्रिया और पर्याप्त सबूत के, लोगों को जिस तरह गिरफ्तार किया जाता रहा है, उस पर अदालतों ने कई बार चिंता जताई है।

दरअसल, इस कानून के तहत मिले अधिकारों का इस्तेमाल कई बार पुलिस विवेकपूर्ण तरीके से नहीं करती है। हालांकि, इस तरह के आचरण पर अंकुश के लिए दिशा-निर्देश लागू किए जा चुके हैं। मगर चिंता की बात है कि यह मनमानी थमी नहीं। लिहाजा, शीर्ष न्यायालय को एक बार फिर याद दिलाना पड़ा कि इस कानून को विवेकपूर्ण तरीके से लागू किया जाना चाहिए।

अदालत ने उत्तर प्रदेश में इस संबंध में दर्ज एक प्राथमिकी को खारिज करते हुए 'यूपी गैंगस्टर्स एक्ट' जैसे कठोर कानून के नियमित इस्तेमाल को लेकर चेताया है। साथ ही यह भी कहा कि व्यक्तिगत स्वतंत्रता की गारंटी तब और महत्त्वपूर्ण हो जाती है, जब इस तरह के कड़े प्रावधान वाले असाधारण कानून को अमल में लाया जाता है।

यह चिंता की बात है कि राज्य को दी गई इस शक्ति का इस्तेमाल संगठित गिरोहों के अलावा साधारण अपराध से जुड़े मामलों या राजनीतिक प्रतिद्वंद्वियों को परेशान करने के लिए भी होने लगा है। इसीलिए शीर्ष न्यायालय ने फिर स्पष्ट कर दिया है कि इस कानून को धमकी के साधन के रूप में उपयोग नहीं किया जा सकता, खासकर उस समय जब राजनीतिक मंशा काम कर रही हो। उत्तर प्रदेश में कुछ वर्ष पहले इलाहाबाद उच्च न्यायालय की सख्ती के बाद इस कानून के दुरुपयोग के लिए राज्य की ओर से नए दिशा-निर्देश जारी किए गए थे।

सवाल है कि अगर किसी के खिलाफ संगठित अपराध से जुड़े होने का सबूत नहीं है, तो उसे गिरोहबाज कैसे कहा जा सकता है? ऐसे में उसके खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करना क्या अन्याय नहीं? शीर्ष अदालत की चेतावनी को गंभीरता से लिया जाना चाहिए।

जल संरक्षण, मानसूनी वर्षा जल को सहेजना जरूरी

देश में इस बार मानसून सीजन (जून से सितंबर) में सामान्य से ज्यादा बारिश होने का अनुमान है। मौसम विभाग के अनुसार बारिश 106 प्रतिशत रह सकती है। वहीं जून महीने में भी बारिश सामान्य से ज्यादा होगी। यह किसी से छिपा नहीं है कि हमारे देश में गर्मी और लू के दिन जहां बढ़ रहे हैं, वहीं बरसात के दिन घटते जा रहे हैं। बारिश अचानक कुछ घंटे में इतनी हो जाती है कि आनंद त्रासदी में बदल जाता है और फिर जैसे ही बादल विदा हुए वह इलाका पानी की एक-एक बूंद के लिए तरसने लगता है।

तिस पर अब जलवायु परिवर्तन की मार देश के दूरस्थ अंचल तक दिख रही है। ऐसे में मानसूनी वर्षा के जल को यदि सलीके से नहीं सहेजा गया तो देश की सामाजिक-आर्थिक स्थिति पर जल-संकट का बड़ा प्रभाव होगा। देश में हमारे पूर्वजों ने इस तरह की जल-निधियां विकसित की थीं, जो न्यूनतम बरसात में लोगों की जल जरूरतों को पूरा करने में सक्षम थीं, लेकिन आधुनिकता की आंधी में हमने ही अपनी समृद्ध विरासतों को बिसरा दिया। ये लोक परंपराएं न केवल पानी की कमी से निपटने और मानसून की तैयारी करने के व्यावहारिक तरीका थीं, बल्कि सामाजिक बंधनों को मजबूत करने, प्रकृति के प्रति सम्मान जगाने और पीढ़ी दर पीढ़ी ज्ञान और संस्कृति को हस्तांतरित करने का माध्यम भी थीं।

यदि कुछ दशक पहले पलट कर देखें तो आज पानी के लिए हाय-हाय कर रहे इलाके अपने स्थानीय स्रोतों की मदद से ही खेत

और गले, दोनों के लिए अतिरिक्त पानी जुटाते थे। एक दौर आया कि अंधाधुंध नलकूप लगाए जाने लगे, जब तक संभलते जब तक भूजल का कोटा साफ हो चुका था। समाज को एक बार फिर बीती बात बन चुके जल-स्रोतों-तालाब, कुएं, बावड़ी की ओर जाने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है, लेकिन एक बार फिर पीढ़ियों का अंतर सामने खड़ा है, पारंपरिक तालाबों की देखभाल करने वाले लोग किसी और काम में लग गए और अब तालाब सहेजने की तकनीक नदारद हो गई है।

हमारे देश में औसतन 1170 मिमी पानी सालाना आसमान से नियामत के रूप में बरसता है। देश में कोई पांच लाख 87 हजार के आसपास गांव हैं। यदि औसत से आधा भी पानी बरसे और हर गांव में महज 1.12 हेक्टेयर जमीन पर तालाब बने हों तो देश की कोई एक अरब 30 करोड़ आबादी के लिए पूरे साल पीने एवं अन्य प्रयोग के लिए 3.75 अरब लीटर पानी आसानी से जमा किया जा सकता है। एक हेक्टेयर जमीन पर महज 100 मिमी बरसात होने की दशा में 10 लाख लीटर पानी एकत्र किया जा सकता है।

तालाब संरक्षण की बात तो सभी करते हैं, लेकिन आज जरूरी है कि छोटी नदियों की भी सुध ली जाए। उत्तर प्रदेश में नदियों की संख्या लगभग 1,000 है, जिनका 55 हजार किलोमीटर का नेटवर्क है। उनमें से 30 हजार किलोमीटर क्षेत्र में जल घटा है या सूखा है। प्रदेश की 100 छोटी और सहायक नदियां सूख चुकी हैं। बिहार की 50 से अधिक नदियां संकट में हैं। इनमें 32 बड़ी नदियां सूख चुकी हैं, जबकि 18 में पानी थोड़ा बचा है। ऐसा तब है, जबकि इस वर्ष राज्य में प्री मानसून में सामान्य से पांच प्रतिशत ज्यादा (62.3 मिमी) बारिश हो चुकी है। हैरानी की बात है कि गंगा, सोन और अघवारा जैसी बड़ी नदियों में भी पानी कम है। उत्तराखंड में अल्मोड़ा-हल्द्वानी की लाइफलाइन कोसी और गौला नदियों का जलस्तर कम हो रहा है। कोसी की कुल 21 सहायक नदियों एवं नालों में से 20 गर्मी में सूख जाते हैं। इन नदियों की सफाई हो। इनके किनारे के अतिक्रमण हटें। इनको गहरा किया जाए और छोटे-छोटे डैम बना दिए जाएं। जब इनमें पानी भरेगा तो ये संरचनाएं हरियाली भी लाएंगी और खुशहाली भी।

कुल मिलाकर आज देश की जल निधियों के संरक्षण और गहरीकरण की व्यापक योजना बनाने की आवश्यकता है। इसके लिए सरकार और समाज, दोनों को मिलकर काम करना होगा। इसके तहत जल निधियों के मूल स्वरूप का सर्वे किया जाना चाहिए। उन पर हुए अतिक्रमण या अवांछित निर्माण को हटाने या जल-आवक-निकासी के वैकल्पिक मार्ग निर्माण की योजना बनाई जानी चाहिए।

ध्यानाभ्यास सीखने से हम ऐसे द्वार में प्रवेश कर जाते हैं जो हमें अंतर में आनंद, प्रकाश, और प्रेम से भरपूर मंडलों में ले जाता है।

- संत राजिन्दर सिंह जी महाराज

स्थान - सावन कृपाल रूहानी मिशन, सावन आश्रम, परम संत कृपाल सिंह जी महाराज चौक, खेमानी रोड, उल्हासनगर-२

देखें सत्संग आस्था चैनल पर हर रोज़ सोम - शनि सुबह ८.२० से ८.४० तक

एअर इंडिया को विरासत में मिला पुराना ढंग-ढर्रा

अहमदाबाद विमान हादसे के बाद स्वाभाविक ही विमानन नियामक संस्था और खुद एअर इंडिया सुरक्षा मानकों के पालन को लेकर सख्ती बरतती देखी जाने लगी हैं। इसी क्रम में नागर विमानन महानिदेशालय यानी डीजीसीए ने एअर इंडिया के कुछ विमानों में उड़ान नियमों के उल्लंघन का मामला चिह्नित किया है। उसने विमानन कंपनी के तीन बड़े अधिकारियों के खिलाफ आंतरिक अनुशासनात्मक कार्रवाई करने को कहा है। जांच में पाया गया कि एअर इंडिया के दो विमानों ने लंदन के लिए उड़ान भरते समय निर्धारित समय सीमा का उल्लंघन किया।

इस पर एअर इंडिया ने कहा है कि वह सभी नियमों का सख्ती से पालन करने को प्रतिबद्ध है। पर सवाल है कि अहमदाबाद विमान हादसा हो जाने के बाद ही क्यों डीजीसीए और एअर इंडिया को नियमों के पालन, विमानों की नियमित जांच और सुरक्षा मानकों की सुध आई है। इन्हें लेकर पहले ही गंभीरता क्यों नहीं बरती गई। हालांकि डीजीसीए लगातार विमानन कंपनियों के प्रबंधन, विमानों के संचालन, उनमें सुरक्षा संसाधनों, चालकों की कुशलता और प्रवीणता आदि पर नजर बनाए रखता है। कई बार कंपनियों के विमान चालकों को उनकी कुशलता आदि के

आधार पर हटा चुका है। कुछ विमानों को भी उड़ान भरने से रोका है। फिर भी उड़ान संबंधी नियमों का समुचित पालन नहीं हो पा रहा, तो यह चिंता की बात है।

अहमदाबाद हादसे के बाद एअर इंडिया के कई विमानों में तकनीकी खराबी की शिकायतें सामने आईं। कई विमानों को उड़ान भरने से रोक दिया गया या उड़ान भरने के बाद वापस लौटा लिया गया। इससे यह तो जाहिर है कि एअर इंडिया खुद भी उचित सावधानी बरत रहा है। इसके बावजूद अगर उसकी उड़ानों में प्रबंधन संबंधी कुछ दिक्कतें दिखाई दे रही हैं, तो उसकी वजहें समझी जा सकती हैं। छिपी बात नहीं है कि एअर इंडिया पिछले करीब बीस वर्षों तक अपने प्रबंधन संबंधी शिथिल रवैए का आरोप झेलता रहा। यह सरकारी कंपनी थी और इसका सही ढंग से संचालन न हो पाने के कारण लगातार घाटे में चल रही थी। इसकी वजह से इसे बेचने का फैसला करना पड़ा।

जब टाटा समूह ने एअर इंडिया को खरीदा, तो उसने करार करके कहा कि वह इसमें काम करने वाले कर्मचारियों को अगले कुछ वर्षों तक बाहर नहीं निकालेगा। इस तरह एअर इंडिया को नई कंपनी मिलने के बावजूद उसके संचालन का पुराना ढंग-ढर्रा विरासत में मिला था। कहना न होगा कि अभी तक एअर इंडिया उससे मुक्त नहीं हो पाई है।

सरकारी नियंत्रण वाली एअर इंडिया के विमानों के देरी से उड़ान भरने और गंतव्य तक पहुंचने, यात्री सुविधाओं का ध्यान न दिए जाने की शिकायतें आम थीं। अगर विदेश के लिए उड़ान भरने वाले उसके विमानों में तय समय सीमा का ध्यान नहीं रखा गया, तो यह पुरानी आदतों की वजह से भी हुआ होगा। जो हो, हवाई जहाजों में मामूली लापरवाही भी सैकड़ों लोगों की जिंदगी के साथ खिलवाड़ साबित हो सकती है।

एअर इंडिया के पास निस्संदेह अत्याधुनिक तकनीक से सुसज्जित विमान हैं, पर उनके संचालन में सतर्कता और प्रवीणता न दिखाई जाए, तो खतरे खत्म कभी न होंगे। अच्छी बात है कि कंपनी खुद अपनी साख बरकरार रखने और यात्री सुरक्षा को गंभीरता से लेते हुए इसके प्रबंधन की कमजोर कड़ियों को दुरुस्त कर रही है। डीजीसीए से भी अपेक्षा की जाती है कि जैसी सतर्कता वह अभी दिखा रहा है, उसे सदा बरकरार रखेगा।

जब एटीएम से 500 की जगह निकलने लगे 1100 रुपए

जरा हट के

यूपी के आगरा में कमाल हो गया. यहां के मलपुरा थाना क्षेत्र स्थित नगला बुद्धा गांव में एक हैरान कर देने वाली घटना सामने आई. गांव के पास

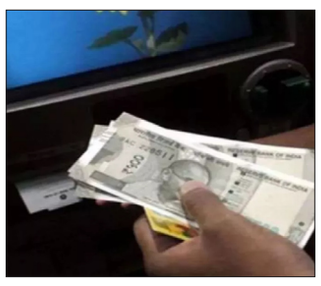

स्थित वन इंडिया बैंक के एटीएम से 500 रुपये निकालने पर लोगों को 1100 रुपये मिलने लगे. जब यह बात गांव में फैली, तो देखते ही देखते एटीएम पर भीड़ उमड़ पड़ी. इसका वीडियो भी वायरल हो रहा है. घटना शनिवार की बताई जा रही है. स्थानीय निवासी सोनू ने बताया कि जब उसने एटीएम से 500 रुपये निकालने का विकल्प चुना, तो मशीन ने उसे 1100 रुपये थमा दिए, जबकि खाते से केवल 500 रुपये ही कटे. पहले तो उसे भ्रम हुआ, लेकिन जब दोबारा ट्रांजैक्शन किया तो मशीन ने फिर से वही दोहराया. फिर उसे 500 की जगह 1100 रुपये मिले. उसने यह बात अपने जानने वालों को बता दी. इसके बाद तो गांव में खबर आग की तरह फैल गई और दर्जनों लोग एटीएम पर पहुंच गए.

ग्रामीणों ने फिर काटी चांदी

जैसे यह सूचना गांव वालों को मिली एटीएम कार्ड लेकर सभी मौके पर पहुंच गए. 50 से 60 लोगों ने इस गड़बड़ी का फायदा उठाकर पैसे निकाले. जो भी व्यक्ति 500 रुपये निकाल रहा था, उसे 1100 रुपये मिल रहे थे. लेकिन जैसे ही किसी ने इससे अधिक राशि निकालने की कोशिश की, उसे अतिरिक्त पैसे नहीं मिले.

घटना की सूचना किसी ने पुलिस को दे दी. मौके पर पहुंची मलपुरा पुलिस ने भी जांच के लिए एक युवक से पैसे निकलवाए और उसमें भी वही गड़बड़ी पाई गई. इसके बाद पुलिस ने तुरंत एटीएम का संचालन बंद करवा दिया और शटर गिरा दिया. बताया जा रहा है कि यह घटना तकनीकी खराबी के कारण हुई. हालांकि, अब तक बैंक की ओर से कोई आधिकारिक बयान सामने नहीं आया है. फिलहाल, बैंक यह पड़ताल करने में लगी है कि ये खराबी कैसे आई और उनका कितना अतिरिक्त पैसा गांव वाले लेकर जा चुके हैं.

अंडा करी बनाने की रेसिपी

अंडा करी खाने में जितनी लाजवाब होती है, बनाने में भी उतनी ही आसान होती है। बस शर्त यही है कि इसकी रेसिपी मालूम होनी चाहिए। मशहूर शेफ रणवीर बरार ने एक वीडियो में अंडा करी बनाने की रेसिपी शेयर की है। आइए जानें कैसे घर पर बना सकते हैं टेस्टी अंडा करी।

सामग्री :

- 1 बड़ा चम्मच घी
- 2 बड़े चम्मच तेल
- 1 बड़ी इलायची
- 1 दालचीनी का टुकड़ा
- 1 तेजपत्ता
- 1 लौंग
- 1 छोटा चम्मच जीरा
- 4 प्याज, बारीक कटे हुए
- 1 छोटा चम्मच अदरक-लहसुन का पेस्ट
- छोटा चम्मच हल्दी पाउडर
- 1 छोटा चम्मच लाल मिर्च पाउडर
- 1 छोटा चम्मच धनिया पाउडर
- छोटा चम्मच कसूरी मेथी
- 4 टमाटर, बारीक कटे हुए

विधि :

एक कढ़ाई में तेल और घी गर्म करें। फिर इसमें बड़ी इलायची, दालचीनी, तेजपत्ता, लौंग और जीरा डालकर भूनें।

अब कटे हुए प्याज डालें और हल्का सुनहरा होने तक भूनें। जब प्याज आधा भुन जाए, तो इसमें अदरक-लहसुन का पेस्ट डालें और 1 मिनट भूनें। इसके बाद हल्दी पाउडर, लाल मिर्च पाउडर, धनिया पाउडर और कसूरी मेथी डालकर

अच्छी तरह मिलाएं। अब कटे हुए टमाटर डालें और मसाला तेल छोड़ने तक धीमी आंच पर पकाएं। कढ़ाई में कप पानी डालें और उबाल आने दें। अब एक उबले हुए अंडे की जर्दी को मैश करके ग्रेवी में मिलाएं, ताकि ग्रेवी गाढ़ी हो जाए। इसके बाद नमक डालें और 5-7 मिनट तक पकाएं। दूसरी ओर एक अलग पैन में तेल गर्म करें और उबले हुए अंडों में टूथ पिक की मदद से छोटे-छोटे छेद करके पैन में डालें, ताकि मसाले अंदर जाएं। अंडों पर लाल मिर्च पाउडर और हल्दी पाउडर छिड़ककर हल्का सुनहरा होने तक फ्राई करें। फ्राई किए हुए अंडों को ग्रेवी में डालें और ताजा धनिया पत्ती से गार्निश करके सर्व करें।

रोज सुबह खाली पेट चबा लें लहसुन की एक कली

सेहत से जुड़ी 5 समस्याओं की हो जाएगी छुट्टी

क्या कभी आपने सोचा है कि रसोई में रखी एक छोटी-सी लहसुन की कली सिर्फ खाने का स्वाद ही नहीं बढ़ाती, बल्कि आपकी सेहत का भी सीक्रेट सुपरस्टार हो सकती है? जी हां, आपने बिल्कुल सही पढ़ा! सदियों से हमारी दादी-नानी जिस लहसुन के गुणों की बात करती आ रही हैं, मेडिकल साइंस भी आज उसके फायदो पर बात करता नजर आता है।

सोचिए, रोज सुबह खाली पेट, बस एक कच्ची लहसुन की कली चबाने से, आप न सिर्फ खुद को तरोताजा महसूस करेंगे, बल्कि कई गंभीर बीमारियों को भी अपने से दूर रख पाएंगे। यकीन नहीं होता? तो आइए, जानते हैं वो 5 हैरतअंगेज फायदे जो ये छोटी-सी कली

आपको दे सकती है।

“ हार्ट को रखे हेल्दी

लहसुन आपके ब्लड प्रेशर को कंट्रोल करने में मदद करता है, जिससे दिल की बीमारियों का खतरा कम होता है। यह बैड कोलेस्ट्रॉल (LDL) को भी घटाता है और गुड़ कोलेस्ट्रॉल (HDL) को बढ़ाता है। यानी, आपका दिल रहेगा एकदम फिट और तंदुरुस्त!

“ बीमारियों से लड़ने की शक्ति बढ़ाए

लहसुन में ऐसे गुण होते हैं जो आपके शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता (Immunity) को मजबूत बनाते हैं। यह आपको सर्दी, जुकाम और मौसमी बीमारियों से बचाने में मदद करता है। जाहिर है, जब इम्युनिटी अच्छी होगी, तो बीमारियां आपसे दूर रहेंगी।

“ पेट की समस्याओं से राहत

लहसुन में एंटी-बैक्टीरियल गुण होते हैं जो पेट में होने वाले संक्रमण को रोकने में मदद करते हैं। यह पाचन को बेहतर बनाता है और कब्ज (Constipation) जैसी समस्याओं में भी आराम देता है। पेट साफ रहेगा, तो आप भी हेल्दी महसूस करेंगे।

“ हड्डियों को बनाए मजबूत

कुछ शोध बताते हैं कि लहसुन बोन हेल्थ के लिए भी फायदेमंद हो सकता है। यह हड्डियों की कमजोरी को कम करने और उन्हें मजबूत बनाने में मददगार है। खासकर महिलाओं के लिए, यह ऑस्टियोपोरोसिस जैसी समस्याओं में मददगार हो सकता है।

“ त्वचा और बालों के लिए भी फायदेमंद

लहसुन में मौजूद एंटीऑक्सीडेंट गुण त्वचा को फ्री रेडिकल्स से होने वाले नुकसान से बचाते हैं, जिससे स्किन हेल्दी और चमकदार दिखती है। इसके अलावा, यह बालों के झड़ने को कम करने और उन्हें मजबूत बनाने में भी मदद कर सकता है।

“ कैसे खाएं कच्चा लहसुन?

सुबह उठकर, एक ताजी लहसुन की कली को छीलकर छोटे टुकड़ों में काट लें या हल्का सा कूट लें। इसे खाली पेट धीरे-धीरे चबाकर खाएं और फिर एक गिलास पानी पी लें।

आज का राशिफल

मेष : स्थायी संपत्ति के कार्य बड़ा लाभ दे सकते हैं। बेरोजगारी दूर करने के प्रयास सफल रहेंगे। आय में वृद्धि तथा उन्नति मनोनुकूल रहेंगे। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। पार्टनरों का सहयोग समय पर प्राप्त होगा। यात्रा की योजना बनेगी। घर-बाहर कुछ तनाव रहेगा। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

वृषभ : पार्टी व पिकनिक का कार्यक्रम बनेगा। स्वादिष्ट व्यंजनों का लाभ मिलेगा। व्यापार-व्यवसाय मनोनुकूल रहेंगे। रचनात्मक कार्य सफल रहेंगे। काम में मन लगेगा। शेयर मार्केट में लाभ रहेगा। नौकरी में सुविधाएं बढ़ सकती हैं। व्यस्तता के चलते स्वास्थ्य का ध्यान रखें। धन प्राप्ति सुगमता से होगी।

मिथुन : दु:खद सूचना मिल सकती है, धैर्य रखें। फालतू खर्च होगा। कुसंगति से बचें। बेकार की बातों पर ध्यान न दें। अपने काम पर अधिक ध्यान देने की आवश्यकता है। वाणी पर नियंत्रण रखें। चिंता तथा तनाव रहेंगे। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। व्यवसाय ठीक चलेगा। आय में निश्चितता रहेगी।

कर्क : भूले-बिसरे साथी तथा आगंतुकों के स्वागत तथा सम्मान पर व्यय होगा। आत्मसम्मान बना रहेगा। उत्साहवर्धक सूचना प्राप्त होगी। बड़ा काम करने का मन बनेगा। परिवार के सदस्यों की उन्नति के समाचार मिलेंगे। प्रसन्नता रहेगी। पारिवारिक सहयोग बना रहेगा।

सिंह : घर-बाहर प्रसन्नतादायक वातावरण रहेगा। नौकरी में चैन महसूस होगा। व्यापार से संतुष्टि रहेगी। संतान की चिंता रहेगी। प्रतिद्वंद्वी तथा शत्रु हानि पहुंचा सकते हैं। मित्रों का सहयोग व मार्गदर्शन प्राप्त होगा। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। यात्रा की योजना बनेगी। प्रसन्नता रहेगी।

कन्या : यात्रा मनोनुकूल मनोरंजक तथा लाभप्रद रहेगी। भेंट व उपहार की प्राप्ति संभव है। व्यापार-व्यवसाय से मनोनुकूल लाभ होगा। घर-बाहर सफलता प्राप्त होगी। परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी। काम में लगन तथा उत्साह बने रहेंगे। मित्रों के साथ प्रसन्नतापूर्वक समय बीतेगा।

तुला : स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। बनते कामों में विघ्न आएंगे। चिंता तथा तनाव रहेंगे। जीवनसाथी से सामंजस्य बैठाएं। फालतू खर्च होगा। कुसंगति से बचें। बेवजह लोगों से मनमुटाव हो सकता है। बेकार की बातों पर ध्यान न दें। आय में निश्चितता रहेगी। मित्रों का सहयोग मिलेगा। जल्दबाजी न करें।

वृश्चिक : बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे। यात्रा मनोरंजक रहेगी। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। नौकरी में सुकून रहेगा। जल्दबाजी में कोई आवश्यक वस्तु गुम हो सकती है। कानूनी अड़चन आ सकती है। विवाद न करें। व्यवसाय ठीक चलेगा। घर-बाहर प्रसन्नता बनी रहेगी।

धनु : नई योजना लागू करने का श्रेष्ठ समय है। कार्यप्रणाली में सुधार होगा। सामाजिक कार्य सफल रहेंगे। मान-सम्मान मिलेगा। कार्यसिद्धि होगी। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। घर-बाहर प्रसन्नता का माहौल रहेगा। पारिवारिक सहयोग प्राप्त होगा। बड़ा कार्य करने का मन बनेगा। सफलता के साधन जुटेंगे।

मकर : किसी जानकार प्रबुद्ध व्यक्ति का सहयोग प्राप्त होने के योग हैं। तंत्र-मंत्र में रुचि रहेगी। किसी राजनयिक का सहयोग मिल सकता है। लाभ के दरवाजे खुलेंगे। चोट व दुर्घटना से बचें। व्यस्तता रहेगी। थकान व कमजोरी महसूस होगी। विवाद से बचें। धन प्राप्ति होगी। प्रमाद न करें।

कुंभ : स्वास्थ्य का ध्यान रखें। चोट व दुर्घटना से बचें। आय में कमी रह सकती है। घर-बाहर असहयोग व अशांति का वातावरण रहेगा। अपनी बात लोगों को समझा नहीं पाएंगे। ऐश्वर्य के साधनों पर बड़ा खर्च होगा। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। हितैषी सहयोग करेंगे। धनार्जन संभव है।

मीन : प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी। किसी वरिष्ठ व्यक्ति के सहयोग से कार्य की बाधा दूर होकर लाभ की स्थिति बनेगी। परिवार के लोग अनुकूल व्यवहार करेंगे। व्यवसाय ठीक चलेगा। नए लोगों से संपर्क होगा। आय में वृद्धि तथा आरोग्य रहेगा। चिंता में कमी होगी। जल्दबाजी न करें।

–ज्योतिषाचार्य पंडित अतुल शास्त्री

बेचैन मन सौ बीमारियों की जड़!

मन को शांत रखने के लिए अपनाएं 7 आसान तरीके

भागदौड़ भरी जिंदगी में बेचैनी और तनाव आम हो गए हैं. चाहे काम का प्रेशर हो, रिश्तों में तनाव हो, या अनजाने डर, बेचैन मन न केवल मानसिक शांति छीन लेता है, बल्कि कई शारीरिक बीमारियों की वजह भी बनता है. चिंता, डिप्रेशन, हाई ब्लड प्रेशर, और नींद न आने जैसी समस्याएं बेचैन मन की ही देन हैं. मन को शांत रखना न सिर्फ जरूरी है, बल्कि इसे एक आदत बनाना सेहतमंद जिंदगी का हिस्सा है. अगर आप भी ऐसी परेशानी महसूस कर रहे हैं, तो थोड़ा रुकिए. यह समय है अपने दिमाग की डीप क्लीनिंग का, जिससे आप खुद को शांत और प्रोडक्टिव महसूस कर सकें. हेल्थलाइन के मुताबिक, ऐसा करने से आप अपने काम पर फोकस कर पाते हैं और आपका इमोशन भी रेग्युलेट होता रहता है. तो चलिए जानें, कैसे करें दिमाग की सफाई और मन को शांत.

■ मन को इस तरह करें क्लीन

डायरी लिखने की आदत डालें-रात को सोने से पहले 15 मिनट डायरी लिखें. यह आपके विचारों और भावनाओं को व्यक्त करने का बेहतरीन तरीका है. इससे न केवल आपका तनाव कम होगा, बल्कि आप दिनभर बेहतर महसूस करेंगे और अपने काम पर अधिक फोकस कर पाएंगे.

■ म्यूजिक को बनाएं साथी

संगीत न केवल आपके मूड को बूस्ट करता है, बल्कि मेमोरी, ध्यान केंद्रित करने और लर्निंग स्किल्स को भी बेहतर बनाता है. जब आप परेशान हों, तो हेडफोन लगाकर अपना पसंदीदा संगीत सुनें. यह आपकी एंग्जायटी को कम करने और मन को शांत करने में मदद करेगा.

■ अच्छी नींद लें

रात की 7 घंटे की गहरी नींद आपकी मानसिक और भावनात्मक स्थिति को बेहतर बनाएगी. नींद की कमी से तनाव और निर्णय लेने में कठिनाई हो सकती है. थकान और एंग्जायटी से बचने के लिए पर्याप्त नींद को अपनी प्राथमिकता बनाएं.

■ वर्क ब्रेक और वॉक का सहारा लें

अगर काम पर दिमाग नहीं लग रहा, तो थोड़ा ब्रेक लेकर खुली हवा में टहलें. पार्क में कुछ देर वॉक करना आपके दिमाग को साफ करने और फिर से काम पर फोकस करने में मदद करेगा. यह तरीका आपको खुद को रीसेट करने का मौका देता है.

■ वर्क डेस्क को सजाएं

अगर ऑफिस पहुंचते ही थकान महसूस हो, तो अपने वर्क डेस्क को नया लुक दें. कुछ नई और ताजगी भरी चीजें डेस्क पर रखें. यह छोटी-सी कोशिश आपकी प्रोडक्टिविटी को बढ़ाने और काम पर ध्यान केंद्रित करने में मदद कर सकती है.

जब दर्द, सूजन और थकावट सताए तब गुग्गुल काम आए

■ आयुर्वेद में हजारों रोग की दवा

■ जान लें इसके चौंकाने वाले फायदे

दुनियाभर में अनेक ऐसे पौधे और जड़ी-बूटियां पाई जाती हैं जिनका प्रयोग आयुर्वेद में लंबे समय से होता आ रहा है. इन्हीं में से एक है गुग्गुल, जिसे आयुर्वेद में 'गुग्गुलु' कहा जाता है. इसे संस्कृत भाषा में 'महिषाक्ष' और 'पद्मा' जैसे नामों से भी जाना जाता है. आयुर्वेदिक ग्रंथों में इसे एक बेहद प्रभावशाली औषधि माना गया है, जिसका उपयोग कई प्रकार की बीमारियों में किया जाता है.

गुग्गुल, कोमीफोरा मुकुल नामक पौधे से प्राप्त किया जाता है. इसका सबसे महत्वपूर्ण गुण यह है कि यह शरीर के तीनों दोष- वात, पित्त और कफ को संतुलित करने में सहायक होता है. हालांकि, यह विशेष रूप से वात दोष को नियंत्रित करने में अधिक प्रभावी माना जाता है. वात दोष के कारण होने वाले जोड़ों के दर्द, सूजन और गठिया जैसी समस्याओं में यह काफी राहत देता है. आयुर्वेदिक ग्रंथों जैसे चरक संहिता और सुश्रुत संहिता में भी गुग्गुल का विस्तार से उल्लेख मिलता है. चरक संहिता में इसे मोटापा कम करने में उपयोगी बताया गया है, वहीं सुश्रुत संहिता में इसका प्रयोग 1000 से अधिक बीमारियों के उपचार में बताया गया है. विशेष रूप से इसे सर्जरी और सूजन से जुड़ी समस्याओं में प्रभावी औषधि माना गया है.

गुग्गुल में क्रोमियम, एंटीऑक्सिडेंट्स और विटामिन्स जैसे जरूरी पोषक तत्व पाए जाते हैं, जो इसे शरीर के लिए और अधिक लाभकारी बनाते हैं. यह पेट संबंधी समस्याओं जैसे गैस, खट्टी डकार, कब्ज, एसिडिटी और बवासीर जैसी समस्याओं में भी असरदार है. इतना ही नहीं, यह कान की दुर्गंध, त्वचा संबंधी रोग और रक्त विकार जैसी समस्याओं में भी फायदेमंद साबित होता है. गुग्गुल की सबसे बड़ी खासियत इसकी गर्म तासीर और कड़वा स्वाद है, जो शरीर से विषैले तत्वों को बाहर निकालने में मदद करता है. यह औषधि थायरॉइड, पीसीओडी और हॉर्मोनल असंतुलन से जुड़ी परेशानियों में भी उपयोगी मानी जाती है, विशेषकर कांचनार गुग्गुल को इन स्थितियों में अधिक असरदार माना गया है.

लेख में दी गई समस्त जानकारियां और सूचनाएं सामान्य मान्यताओं पर आधारित हैं. 'उल्हास विकास' इनकी पुष्टि नहीं करता है. इन पर अमल करने से पहले संबंधित विशेषज्ञ से संपर्क करें.

खबरें गांव की...

शादी तय होते ही बेवफा हो गई प्रेमिका, बौखलाए प्रेमी ने कर दी हत्या; फिर खुद भी मार ली गोली

कन्नौज. यूपी के कन्नौज में एक युवक का गांव की युवती से काफी समय से प्रेम-प्रसंग चल रहा था। दोनों चोरी-छिपे मुलाकात करते थे। एक दिन लड़की के घर वालों को जब इसकी जानकारी हुई तो उन्होंने बेटी की दूसरी जगह शादी तय कर दी। शादी तय होने के बाद प्रेमिका भी बेवफा हो गई, उसने प्रेमी से बात करनी बंद कर दी। इसके कारण प्रेमी पूरी तरह से टूट गया और बौखलाहट में अपने पिता की लाइसेंसी बंदूक लेकर प्रेमिका के घर पहुंच गया। प्रेमिका को देखते ही प्रेमी के खून सवार हो गया, फिर उसने गोली मारकर हत्या कर दी। इसके बाद वह मौके से फरार हुआ, लेकिन कुछ दूरी पर पहुंचने के बाद प्रेमी ने खुद भी गोली मारकर आत्महत्या कर ली। पुलिस सूत्रों ने बताया कि कुठला गांव निवासी देवांशु (22) का पड़ोस के गांव सुल्तानपुर की रहने वाली दीप्ति से प्रेम-प्रसंग था। करीब 15 दिन पहले दीप्ति के परिजन ने उसकी शादी कहीं और तय कर दी थी, जिससे देवांशु नाराज था।

कपड़ा दुकान पर चोरी करते सीसीटीवी में कैद हुआ दारोगा, एसएसपी ने तत्काल लिया एक्शन

मेरठ. यूपी पुलिस एक बार फिर अपनी करतूत के कारण चर्चा में है। चोरों को पकड़ने वाली पुलिस इस बार खुद चोरी करते हुए रंगे हाथ पकड़ी गई है। पूरी चोरी सीसीटीवी में कैद हो गई है। मामला मेरठ के हापुड़ अड्डे के भगत सिंह मार्केट का है। ट्रैफिक पुलिस के दारोगा वर्दी में ही कपड़े की दुकान से चोरी करते सीसीटीवी में कैद हो गए हैं। कपड़े की दुकान के काउंटर से कपड़े के चार बैग दारोगा ने चोरी कर लिये और चलते बने। व्यापारी ने जब सीसीटीवी चेक किया तो मामले का पता चला। इसके बाद उसने दारोगा से संपर्क किया। कपड़ा तो दारोगा ने वापस कर दिया लेकिन व्यापारी को धमकाने लगे। मामला व्यापार संगठन तक पहुंचा तो एसएसपी को वीडियो भेजा गया। एसएसपी ने तत्काल मामले का संज्ञान लिया और दारोगा को लाइन हाजिर कर जांच का आदेश दे दिया गया है। एसपी सिटी को मामले की जांच का आदेश दिया है।

ये मार-मार कर मुझसे धंधा कराती है... बच्ची ने रो-रोकर दिखाए जख्म; मुंहबोली मां गिरफ्तार

आगरा. यूपी के आगरा में दिल दुखाने वाली एक घटना सामने आई है। यहां 9 साल की एक बच्ची ने गोद लेने वाली अपनी मां पर जबरन देह व्यापार कराने का आरोप लगाया है। बच्ची का रो-रो कर अपने जख्म दिखाने का एक वीडियो सोशल मीडिया में वायरल हो रहा है। वीडियो में बच्ची अपनी मां सहित दो और नाम लेते हुए आरोप लगाती है कि ये लोग मार-मारकर उससे धंधा कराते हैं। बच्ची की शिकायत पर पुलिस ने आरोपी महिला को हिरासत में ले लिया है। हर कोई बच्ची के साथ ऐसी अमानवीयता करने वाले के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग कर रहा है। बच्ची के सामने आने के बाद पुलिस ने कथित मां को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस मामले की जांच में जुटी है। इस बारे में जानकारी देते हुए आगरा के एसीपी सदर ने बताया, 'गोद ली हुई 9 वर्षीय बालिका द्वारा अपनी मां पर लगाए गए आरोपों के संबंध में थाना सदर बाजार पर सूचना प्राप्त हुई थी।

होर्मुज स्ट्रेट बंद हुआ तो चीन और भारत का घाटा!

- अमेरिका का कुछ नहीं जाता

नई दिल्ली. अमेरिका की ओर से अपने तीन परमाणु प्रतिष्ठानों पर हमले के बाद ईरान की संसद ने होर्मुज स्ट्रेट को बंद करने की मंजूरी दे दी है। यह गलियारा दुनिया की तेल और गैस सप्लाई के लिहाज से बेहद अहम है। यदि इसे बंद किया गया तो भारत, चीन जैसे देशों को भी झटका लगेगा और तेल की सप्लाई प्रभावित होगी। ऐसी स्थिति में पेट्रोल, डीजल और गैस की किल्लत हो सकती है एवं कीमतों में इजाफे की भी आशंका बनी रहेगी। इसके बंद होने से भारत से ज्यादा झटका पड़ोसी देश चीन को लगेगा। इसकी वजह यह है कि चीन सबसे ज्यादा तेल की खरीद ईरान से ही करता है।

वह अपनी जरूरत का 47 फीसदी हिस्सा मध्य पूर्व के देशों से खरीदता है और उस तेल की सप्लाई होर्मुज जलडमरूमध्य से ही होती है।

यही नहीं भारत के लिए भी यह चिंता की स्थिति होगी क्योंकि हमारी जरूरत का 40 फीसदी तेल इसी रास्ते से होकर आता है। इसके अलावा ईरान से करीब 20 फीसदी तेल की खरीद भारत करता है। फिलहाल भारत सरकार ने रूस से तेल की खरीद बढ़ा दी है, लेकिन होर्मुज स्ट्रेट बंद होने से कीमतों पर असर होगा और ऐसी स्थिति का फायदा रूस भी उठाना चाहेगा।

भारत हर दिन लगभग 50.5 लाख बैरल तेल का आयात करता है। इसमें करीब 20 लाख बैरल कच्चा तेल प्रतिदिन इसी जलमार्ग से होकर गुजरता है। भारत अपनी जरूरत का 90 फीसदी कच्चा तेल आयात ही करता है। यही स्थिति चीन की भी है। ऐसे में होर्मुज स्ट्रेट बंद होने से भारत और चीन जैसे देशों का नुकसान अधिक होगा। वहीं ईरान जिस अमेरिका या पश्चिमी देशों को सबक सिखाना चाहता है। उन्हें कोई नुकसान नहीं होगा। वजह यह है कि अमेरिका तो तेल के मामले में आत्मनिर्भर हो चुका है।

अमेरिकी हमलों के बाद अब ईरान पर इजरायल का कहर

- फिर उसी परमाणु ठिकाने को बनाया निशाना

तेलअबीब. अमेरिका ने रविवार को खतरनाक बी-2 बॉम्बर का इस्तेमाल करके ईरान के परमाणु ठिकानों को निशाना बनाया गया था। अब ईरानी मीडिया ने दावा किया है कि अमेरिका द्वारा निशाना बनाए गए फोर्डो परमाणु केंद्र पर एक बार फिर से हमला किया गया है। हालांकि मीडिया की तरफ से इजरायल या फिर अमेरिका किसी का नाम नहीं लिया गया और न ही यह बताया गया कि वहां पर हुए दूसरे हमले में कितना नुकसान हुआ है। हालांकि इन ठिकानों को लेकर इजरायल पहले ही कह चुका है कि वह ईरान के ऊपर हवाई हमलों को जारी रखेगा।

ईरानी मीडिया के मुताबिक यह हमले ठीक उसी जगह पर किए गए हैं जहां पर पहले अमेरिका ने हमला किया था। वहीं अलजजीरा की रिपोर्ट के मुताबिक इन हमलों में उन

ठिकानों के आसपास रहने वालों को कोई नुकसान नहीं हुआ है। दूसरी तरफ अपने परमाणु ठिकानों पर लगातार होते हमलों के बीच ईरान ने कहा है कि वह अपने परमाणु कार्यक्रम को नहीं रोकेगा। उप विदेश मंत्री रवांची ने अमेरिका द्वारा किए गए हमले की आलोचना करते हुए इसे गंभीर अपराध बताया। इसके साथ ही ईरान ने अमेरिका और राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को चेतावनी दी गई है कि उसके देश पर किए गए हमले के बाद अब उसकी सेना को खुली छूट मिली हुई है। क्षेत्र में कोई भी अमेरिका नागरिक या अमेरिकी संपत्ति हमारे निशाने पर है। सोमवार को भी इजरायली हमलों का जवाब देते हुए ईरान ने उसके ऊर्जा संयंत्रों पर निशाना साधा।

न्यूक्लियर संयंत्रों पर नजर रखने वाली संयुक्त राष्ट्र संघ की एजेंसी ने वियना में अमेरिका द्वारा किए गए हमलों को लेकर कहा कि इन हमलों में काफी ज्यादा नुकसान हुआ है। एजेंसी के प्रमुख मारियानो ग्रॉसी ने कहा कि अमेरिका द्वारा जिस तरह के बंकर बस्टर बमों का इस्तेमाल किया गया है, उनसे ईरान के इन परमाणु ठिकानों में बहुत भारी नुकसान होने की आशंका है।

ग्रासी ने कहा, "अमेरिका द्वारा उपयोग किए गए विस्फोटक पेलोड और सेंट्रीफ्यूज की प्रकृति को देखते हुए यह निश्चित है कि वहां पर बहुत ज्यादा नुकसान हुआ होगा। हालांकि अभी कोई भी व्यक्ति या संस्था उन ठिकानों को हुए नुकसान का सही अंदाजा लगाने की स्थिति में नहीं है।"

अपने घर में ही घिरे डोनाल्ड ट्रंप

- अमेरिका में सड़कों पर उतरे लोग

न्यूयॉर्क. ईरान और इजरायल के युद्ध में अमेरिका के शामिल होने पर न्यूयॉर्क समेत कई बड़े शहरों में ट्रंप प्रशासन का विरोध हो रहा है। रविवार को ट्रंप प्रशासन के खिलाफ नारे लगाते हुए लोगों ने ईरान के खिलाफ लॉन्च किए गए ऑपरेशन मिडनाइट हैमर का विरोध किया। इस ऑपरेशन के जरिए अमेरिका ने ईरान के तीन परमाणु ठिकानों फोर्डो, इस्फहान और नतांज को निशाना बनाया था। हमले के बाद ट्रंप ने कहा था कि हमारी तरफ से यह हमला वैश्विक शांति के लिए था।

ट्रंप के इस फैसले का वैश्विक

राजनीति में भले ही ज्यादा विरोध न हो लेकिन अमेरिका शहरों की सड़कों पर हजारों लोग इसका विरोध करने के लिए उतर आए। मैनहट्टन की मुख्य सड़कों पर फिलिस्तीनी झंडे को लेकर और ईरान में युद्ध बंद करो के नारे लगाते हुए लोगों ने जमकर प्रदर्शन किया। एक प्रदर्शन कारी ने अपने हाथ में एक पोस्टर ले रखा था, जिसमें लिखा था, ₹हम आपको अमेरिका को वैश्विक युद्ध में नहीं घसीटने देंगे।₹

इस प्रदर्शन के दौरान लोगों के बीच में इजरायल को लेकर गुस्सा भी देखने को मिला। लोगों ने इजरायल की आलोचना करते हुए कहा कि उसने पहले से ही गाजा में अपने अमानवीय हमले जारी रखे हैं और अब उसने ईरान के खिलाफ भी संघर्ष को भड़का दिया है।

विधायक की गाड़ी पलटी

नवनिर्मित लिंक एक्सप्रेसवे पर सोमवार की शाम भाजपा विधायक फतेह बहादुर सिंह के साथ हादसा हो गया। गोरखपुर में उनकी गाड़ी एक दूसरी गाड़ी को बचाने के चक्कर में असंतुलित होकर दुर्घटनाग्रस्त हो गई। विधायक बाल-बाल बचे हैं।

फार्च्यूनर में मिलीं एक ही परिवार के 3 लोगों की लाश

- सभी के सिर पर गोली के निशान

मोहाली. मोहाली में बनूड़-तेपला रोड पर गांव चंगेरा में खेतों के पास खड़ी एक फार्च्यूनर गाड़ी में एक ही परिवार के तीन लोगों की लाशें मिलने से सनसनी फैल गई। जब खेत में ट्यूबवेल लगाने के लिए कुछ लोग पहुंचे तो उन्होंने गाड़ी के अंदर शव देखे और तुरंत बनूड़ पुलिस को सूचना दी। पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। गाड़ी के अंदर एक पुरुष, एक महिला और एक किशोर की लाश बरामद हुई है। पुलिस ने तीनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सिविल अस्पताल भेज दिया है।

डीएसपी राजपुरा मंजीत सिंह ने बताया कि शुरुआती जांच में यह मामला आत्महत्या का लग रहा है। मृतकों की पहचान 45 साल के संदीप सिंह, उसकी पत्नी 42 वर्षीय मनदीप कौर और 15 साल के बेटे अभय के रूप में हुई है। मृतक संदीप सिंह मूलरूप से बठिंडा के गांव सिखवाला का रहने वाला था। लंबे समय तक परिवार के साथ गुरुग्राम में रहने के बाद वह तीन साल पहले मोहाली के सेक्टर-109 की एमार सोसाइटी में शिफ्ट हुआ था। मृतक संदीप सिंह के हाथ में पिस्टल थी और तीनों के सिर पर गोली के निशान थे। इससे ऐसा लगता है कि संदीप ने पहले अपनी पत्नी मनदीप कौर और बेटे अभय को गोली मारी और फिर खुद को गोली मारकर आत्महत्या कर ली।

प्रॉपर्टी डीलिंग का करता था काम

संदीप सिंह प्रॉपर्टी डीलिंग का काम करता था। संदीप के रिश्तेदार अमरिंदर सिंह ने बताया कि संदीप कभी इस तरह का कदम उठा सकता है, इसका अंदाजा नहीं था। उसका एक भाई बठिंडा में रहता है, जबकि बहन अमेरिका में है। परिवार खुशहाल जीवन जी रहा था। अभी तक इस घटना के पीछे के कारणों का पता नहीं चल पाया है। डीएसपी मंजीत सिंह ने बताया कि परिजनों को सूचना दे दी गई है और वह बठिंडा से बनूड़ के लिए रवाना हो चुके हैं। इसके साथ ही पुलिस मोहाली के सेक्टर-109 स्थित संदीप के आवास की भी तलाशी लेगी, ताकि आत्महत्या के पीछे की वजह का कोई सुराग मिल सके।

राज और सोनम ने खोली थी 'अपनी' कंपनी

- इसी के खाते से दी सुपारी
- राजा मर्डर में एक और बड़ा खुलासा

इंदौर. इंदौर के राजा रघुवंशी हत्याकांड में राजा के भाई विपिन ने एक चौंकाने वाला खुलासा किया है। उन्होंने मीडिया को बताया कि हत्याकांड से कुछ दिन पहले राज और सोनम ने मिलकर एक कंपनी खोली थी, जो राज की मां चुन्नी देवी के नाम से थी। इस कंपनी के खाते में हत्याकांड से पहले 7 से 8 लाख रुपये जमा हुए थे, जिनका उपयोग सोनम ने हत्या के लिए किया। विपिन का शक है कि राज ने अपने तीन दोस्तों विकास, आकाश और आनंद को जो रुपये दिए थे, वे संभवतः इसी खाते से निकाले गए थे। ये रुपये राजा और सोनम के शिलॉन्ग पहुंचने से पहले दिए गए थे। अब राजा का परिवार आरोपियों का नार्को टेस्ट कराने के लिए हाईकोर्ट में याचिका दायर कर सकता है।

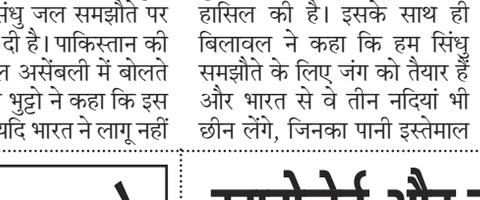

प्रॉपर्टी ब्रोकर और गार्ड की गिरफ्तारी

परसों रात शिलॉन्ग पुलिस ने शिप्रा टोल नाके के पास से प्रॉपर्टी ब्रोकर सिलोम जेम्स, निवासी महालक्ष्मी नगर (लसूड़िया), को गिरफ्तार किया था। बाद में उसकी निशानदेही पर मल्टी के सिक्योरिटी गार्ड बलवीर अहिरवार को अशोकनगर के मडागन गांव से गिरफ्तार किया गया। दोनों पर हत्याकांड के साक्ष्य नष्ट करने का आरोप है।

सिलोम ने पूछताछ में बताया कि उसने हत्याकांड के आरोपी विशाल उर्फ विक्की चौहान को सोनम की फरारी के लिए 31 मई को 51 हजार रुपये में फ्लैट किराए पर दिया था। हालांकि, उसने थाने में किरायेदारी की सूचना 10 जून को दी। बाद में 13 जून को उसने मीडिया को सोनम और विशाल के बारे में खुद बताया।

राजा रघुवंशी हत्याकांड में एक नया मोड़ आया है। शिलॉन्ग पुलिस अब देवास नाका की एक मल्टी में रहने वाले ग्वालियर के फ्लैट मालिक लोकेंद्र तोमर की तलाश में है। यह मल्टी उसी फ्लैट की है, जहां सोनम फरार होने के दौरान रुकी थी। शनिवार को इस हत्याकांड में प्रॉपर्टी ब्रोकर और एक सिक्योरिटी गार्ड की गिरफ्तारी के बाद कुल सात आरोपी हो गए थे। अब आठवें आरोपी के रूप में लोकेंद्र तोमर का नाम सामने आया है। सात दिन के रिमांड पर लिए गए प्रॉपर्टी ब्रोकर सिलोम जेम्स ने पूछताछ में बताया कि लोकेंद्र ने उस काले बैग से पिस्तौल और रुपये निकाल लिए थे, जिसे सिलोम ने लोकेंद्र के दबाव में गार्ड बलवीर अहिरवार की मदद से फ्लैट से हटाकर जला दिया था। पुलिस ने बैग के अवशेष जब्त कर लिए हैं। अब पुलिस को लोकेंद्र की तलाश है।

हरियाणा में ऐसा खौफ कि शराब कारोबार से ही तौबा

5 बार फेल हुई नीलामी; CM को बुलानी पड़ी मीटिंग

चंडीगढ़. किसी भी राज्य में शराब के ठेकों के लिए बोली लगाने की होड़ रहती है और इसकी वजह इनसे होने वाली मोटी कमाई है। लेकिन हरियाणा में लोग शराब के ठेकों के लिए बोली ही नहीं लगा रहे हैं। इसकी कई वजहें हैं, लेकिन सबसे प्रमुख कारण इस धंधे में गैंगस्टरों का शामिल होना है।

नायब सिंह सैनी सरकार के लिए चिंता की बात यह है कि प्रदेश के 22 जिलों में से 20 ऐसे हैं, जहां शराब के ठेकों के लिए कोई बोली ही नहीं लगी है। 5 बार ऑनलाइन नीलामी का विज्ञापन जारी किया जा चुका है, लेकिन कोई भी बोली लगाने के लिए आगे नहीं आ रहा। बड़ी बात यह है कि इनमें से कई दुकानें तो गुरुग्राम, फरीदाबाद, पंचकूला और यमुनानगर में हैं। इन शहरों की शराब दुकानों को अच्छी कमाई वाला माना जाता है। फिर भी यहां की दुकानें बोली का इंतजार कर रही हैं। अब तक किसी के लिए भी इन दुकानों का आवंटन नहीं हो सका है।

दरअसल कुरुक्षेत्र में 13 जून को एक शराब कारोबारी की हत्या हो गई थी। उसके बाद से पूरे प्रदेश में ही डर और बढ़ गया है। हालात यह है कि सीएम नायब सिंह सैनी ने खुद शराब कारोबारियों की एक मीटिंग बुलाई। इस बैठक में उन्होंने लोगों को सुरक्षा का भरोसा दिलाया और कहा कि आप लोग डरें नहीं। हम कारोबार के लिए अच्छा माहौल प्रदान करेंगे। इसके अलावा उन्होंने डीजीपी को भी आदेश दिया कि वह अपराधियों पर सख्त ऐक्शन लें। शराब ठेकों के लिए बोली लगाने वालों को कोई यदि धमकाता है तो उन पर कार्रवाई की जाए।

गुजरात में AAP-कडी में भाजपा; केरल में कांग्रेस-लुधियाना में AAP विजयी; बंगाल में TMC जीती

नई दिल्ली. चार राज्यों की 5 विधानसभा सीट पर हुए उपचुनाव का रिजल्ट आ चुका है। गुजरात की कडी सीट से भाजपा प्रत्याशी राजेंद्र चावड़ा जीते। उन्होंने कांग्रेस के रमेश चावड़ा को हराया। विसावदर पर AAP के गोपाल इटालिया जीते। भाजपा के कीर्ति पटेल को दूसरे नंबर पर रहे।

केरल में UDF उम्मीदवार कांग्रेस के आर्यदन शौकत को जीत मिली। उन्होंने CPIM के एम.स्वराज को हराया। पंजाब की लुधियाना वेस्ट AAP के खाते में आई, यहां संजीव अरोड़ा जीते। कांग्रेस के भारत भूषण आसु दूसरे नंबर पर रहे।

पश्चिम बंगाल की कालीगंज सीट पर TMC प्रत्याशी अलिफा अहमद जीतीं। उन्होंने भाजपा के आशीष घोष को हराया। इन सभी पांचों सीटों पर 19 जून को वोटिंग हुई थी।

सिंधु समझौते के लिए जंग लड़ेंगे, छीनेंगे 6 नदियों का पानी

- पाकिस्तान की नई गीदड़भभकी

इस्लामाबाद. पाकिस्तान के पूर्व विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो जरदारी ने सिंधु जल समझौते पर गीदड़भभकी दी है। पाकिस्तान की संसद नेशनल असेंबली में बोलते हुए बिलावल भुट्टो ने कहा कि इस समझौते को यदि भारत ने लागू नहीं किया तो हम एक और जंग के लिए तैयार हैं। बिलावल भुट्टो ने ऑपरेशन सिंदूर में पाकिस्तान को पहुंची गहरी चोट पर भी झूठ बोलते हुए कहा कि हमने इस जंग में जीत हासिल की है। इसके साथ ही बिलावल ने कहा कि हम सिंधु समझौते के लिए जंग को तैयार हैं और भारत से वे तीन नदियां भी छीन लेंगे, जिनका पानी इस्तेमाल करने की परमिशन उन्हें है।

बिलावल भुट्टो जरदारी ने कहा,'भारत ने कहा कि सिंधु समझौता खत्म हो गया है। उन्होंने इसे होल्ड पर डाल दिया है, लेकिन यह गैर-कानूनी है। सिंधु जल समझौता तो वर्ल्ड बैंक ने कराया था और उस पर धमकी देना संयुक्त राष्ट्र के चार्टर के खिलाफ है और भारत इसे खत्म नहीं कर सकता।

यदि भारत ने इसे खत्म किया तो फिर हम एक जंग और लड़ेंगे। उस जंग के नतीजे में हम भारत से वे तीन नदियां भी छीन लेंगे, जो भारत के पास हैं। फिर हमारे पास तीन नदियों का नहीं बल्कि 6 नदियों का पानी रहेगा।'

पाकिस्तानी नेता ने कहा कि यदि हमें जंग के लिए मजबूर किया गया तो फिर हम जानते हैं कि हमारी एयरफोर्स और सेना बहुत मजबूत है। भारत के सामने दो विकल्प हैं- या तो वे सिंधु जल समझौते को मान लें और अंतरराष्ट्रीय कानून के अनुसार अमल करें। यदि वह नहीं मानते हैं और सिंधु के पानी पर बांध या नहरें बनाते हैं तो फिर पाकिस्तान जंग करेगा और हम 6 नदियों का पानी अपनी अवाम को दिलाएंगे। भारत ने यह कोशिश की है कि दहशतगर्दी का इलजाम पाकिस्तान पर लगा दे।

अंपायर ने बॉल नहीं बदली तो पंत भड़के

बुमराह SENA देशों में 150 विकेट लेने वाले पहले एशियन बॉलर

- ब्रूक को 3 जीवनदान, शतक चूके

हेडिंग्ले टेस्ट के तीसरे दिन भारत ने 96 रन की बढ़त हासिल कर ली है। रविवार को इंग्लैंड की पहली पारी 465 रन पर ऑलआउट हुई। भारत को इस आधार पर 6 रन की बढ़त मिली।

अंपायर ने बॉल नहीं बदली तो पंत ने गुस्से में बॉल दूसरी तरफ फेंकी। बुमराह SENA (साउथ अफ्रीका, इंग्लैंड, न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया) में 150 विकेट लेने वाले पहले एशियन बॉलर बने। उन्होंने विदेश में सबसे ज्यादा 5 विकेट लेने के मामले में कपिल देव की भी बराबरी की। हैरी ब्रूक को 3 जीवनदान मिले, इसके बाद भी वे 99 रन पर आउट हो गए।

भारतीय टीम के उपकप्तान ऋषभ पंत ने टेस्ट क्रिकेट में 150 कैच पूरे किए। अब उनके 44 टेस्ट

प्लेयर	पांच विकेट हॉल	टेस्ट (विदेश में)
जसप्रीत बुमराह	12	34
कपिल देव	12	66
इशांत शर्मा	9	63
जहीर खान	8	54
इरफान पठान	7	15

में 51 कैच और 15 स्टंपिंग हो गई हैं। जसप्रीत बुमराह SENA देशों (साउथ अफ्रीका, इंग्लैंड, न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया) में टेस्ट क्रिकेट में 150 विकेट लेने वाले पहले एशियन गेंदबाज बने। बुमराह के बाद इस सूची में वसीम अकरम 146 विकेट के साथ दूसरे नंबर पर हैं। अनिल कुंबले ने 141, इशांत शर्मा ने 130, और मुथैया मुरलीधरन ने 125 विकेट लिए हैं। इसके अलावा मोहम्मद शमी के नाम 123, जहीर खान के 119, कपिल देव के 117 और वकार यूनिस के 113 विकेट हैं।

बुमराह ने विदेश में भारत के लिए 5 विकेट हॉल में कपिल देव की बराबरी की जसप्रीत बुमराह ऐसे इंडियन पेसर बन गए हैं जिन्होंने विदेश में 12 बार पांच विकेट लेने का कारनामा किया है। उन्होंने इस मामले में कपिल देव की बराबरी की। कपिल ने विदेशी पिचों पर खेले 66 टेस्ट मैचों में 12 बार 5 विकेट लिए। बुमराह ने अपने करियर में 14वीं और विदेशी धरती पर 12वीं बार 5 विकेट झटके।

खामेनेई और दूसरे नेता ईरान छोड़कर भागने की फिराक में

- पूर्व क्राउन प्रिंस का दावा

ईरान के निर्वासित क्राउन प्रिंस रेजा पहलवी ने सुप्रीम लीडर अयातुल्लाह अली खामेनेई पर सोमवार को जोरदार निशाना साधा। पेरिस में प्रेस कॉन्फ्रेंस करके उन्होंने दावा किया कि ईरान का इस्लामिक गणराज्य ढह रहा है और खामेनेई सहित दूसरे नेता देश छोड़कर भागने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने खामेनेई को संबोधित करते हुए कहा, 'आप पद छोड़ दें। अगर ऐसा करते हैं तो आपको निष्पक्ष सुनवाई और कानूनी प्रक्रिया का अधिकार मिलेगा।' पहलवी ने चेतावनी दी कि यदि पश्चिमी देश इस शासन को समर्थन देते हैं तो इससे और खूनखराबा व अराजकता फैलेगी, क्योंकि यह शासन अपमान के बाद आत्मसमर्पण नहीं करेगा।

पूर्व क्राउन प्रिंस ने कहा कि वह राजनीतिक सत्ता की तलाश में नहीं हैं, बल्कि इस संकटकाल में ईरान को शांति, स्थिरता और लोकतांत्रिक परिवर्तन की ओर ले जाना चाहते हैं। उन्होंने ईरानी सेना और सुरक्षा बलों से अपील की कि वे पतन हो रहे शासन का साथ न दें। वे लोगों के साथ मिलकर इतिहास में अहम भूमिका निभाएं। पहलवी ने दावा किया कि शासन के कमांड और नियंत्रण ढांचे तेजी से टूट रहे हैं। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय समुदाय से इस आतंकवादी शासन को और समर्थन न देने का आग्रह किया। उन्होंने यह भी आश्वासन दिया कि शासन के पतन के बाद ईरान में अराजकता या गृहयुद्ध नहीं होगा, क्योंकि उनके पास आगे की योजना तैयार है। यह बयान ऐसे समय में आया है जब ईरान और इजरायल के बीच सैन्य तनाव चरम पर है। हाल ही में अमेरिकी बी-2 हमलों ने ईरान के परमाणु ठिकानों को निशाना बनाया।

मेरी जान को खतरा है, सरकार सुरक्षा दे

- तेज प्रताप यादव बोले- 5 लोगों की है साजिश

पटना. राष्ट्रीय जनता दल और परिवार से निकाले जाने के बाद लालू प्रसाद यादव के बड़े बेटे तेज प्रताप यादव ने पहली बार मीडिया से खुलकर बातचीत की है। न्यूज एजेंसी ANI से बातचीत में तेज प्रताप यादव ने अलग-अलग मुद्दों पर विस्तार से अपनी बात रखी है। इसी के साथ तेज प्रताप यादव ने यह भी कहा है कि उनकी जान को खतरा है। तेज प्रताप यादव ने सरकार से सुरक्षा की मांग की है।

4-5 लोगों ने साजिश किया - तेज प्रताप यादव

पार्टी से बाहर निकाले जाने को लेकर तेज प्रताप यादव ने कहा कि 4-5 लोगों ने साजिश किया और जिस तरह से मुझे पार्टी से बाहर निकाला गया इसे तो पूरी बिहार की जनता ने देखा है। पूरे बिहार की जनता जानती है कि मेरा स्वभाव

किस तरह का है। मेरा व्यवहार किस तरह का है और कैसे हम लोगों से घुल मिल जाते हैं। इसी का फायदा उठाकर जो 4-5 लोग वहां बैठे हैं उनलोगों ने सोचा है कि अकेला पड़ जाएगा तो इसको दबा देना है तो तेज प्रताप यादव दबने वाला नहीं है। हम यह बात उनको बता देना चाहते हैं।

कुछ लोग जो वहां डेरा डालकर बैठे हैं हम उनको खुली चुनौती देने का काम भी करते हैं। अब हम पब्लिक के पास जाएंगे। जनता के बीच जाएंगे और न्याय मेरा जनता ही करेगी। जो 4-5 लोग बैठे हैं मैं उनका नाम नहीं लेना चाहता हूं, पापी लोगों का नाम नहीं लेना चाहता हूं पर ये लोग मेरा न्याय नहीं करेंगे। हम खुला चुनौती देते हैं। हम जनता के सामने जाएंगे।

हमारे दुश्मन सभी जगह लगे हुए हैं- तेज प्रताप

इस बातचीत में तेज प्रताप यादव ने कहा कि हम यह कहना चाहते हैं कि हमारी सुरक्षा बढ़ाई जाए। हमको अपने जान के उपर खतरा है। हमारे दुश्मन सभी जगह लगे हुए हैं। जो लोग भी चार पांच लोग मिलकर हमारे निजी जीवन को बर्बाद करने पर तुले हैं तो हम उनको बख्शेंगे नहीं। 4-5 लोगों ने मिलकर हमको घर और परिवार से निकलवाने का काम किया है।

संक्षेप...

भिवंडी में जर्जर एक मंजिला मकान की दीवार गिरने से बुजुर्ग महिला घायल

भिवंडी. निजामपुर इलाके में कल देर रात एक जर्जर मकान की दीवार ढहने की घटना में एक महिला घायल हो गई. भिवंडी महानगरपालिका द्वारा खतरनाक घोषित करीब 70 से 80 साल पुराने लोड-बेयरिंग एक मंजिला घर की दीवार रात में अचानक गिर गई. दीवार पास के घर पर गिरी, तो मलबा घर में सो रही एक महिला के सिर पर गिरा, जिससे बुजुर्ग महिला घायल हो गई.घायल महिला का नाम तरन्नुम पटेल बताया गया है.उन्हें इलाज के लिए इलाके के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है. प्रभाग समिति क्रमांक 5 के सहायक आयुक्त बलराम भोईर ने कहा कि इस दुर्घटना के बाद, महानगरपालिका ने सुबह से खतरनाक इमारत को पूरी तरह से गिराना शुरू कर दिया है.

कुंभ मेले के अवसर पर नासिक को जोड़ने वाले राजमार्गों का विकास

फडणवीस व गडकरी की मौजूदगी में नागपुर में बैठक

नागपुर. नासिक में हर दो साल में आयोजित होने वाले कुंभ मेले के दौरान श्रद्धालुओं की आमद को देखते हुए रविवार को नागपुर में मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की मौजूदगी में हुई बैठक में यह निर्णय लिया गया कि नासिक-त्र्यंबकेश्वर को जोड़ने वाले सभी प्रमुख राजमार्गों और अन्य सड़कों के विकास में तेजी लाई जाए, ताकि यातायात की भीड़भाड़ से बचा जा सके। नासिक में 2027 में आयोजित होने वाले कुंभ मेले के संदर्भ में नासिक और त्र्यंबकेश्वर को जोड़ने वाली सड़कों के आधुनिकीकरण को विनियमित करने के लिए आयोजित बैठक में केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी, राज्य मंत्री और कुंभ मेला के प्रभारी मंत्री गिरीशजी महाजन, लोक निर्माण विभाग के मंत्री शिवेंद्र राजेजी भोसले के साथ ही जनप्रतिनिधि और अधिकारी शामिल हुए।

हर 12 साल में आयोजित होने वाले कुंभ मेले में दुनिया भर से लाखों श्रद्धालु जुटते हैं। बैठक में भाग लेने वाले नेताओं और मंत्रियों ने विचार व्यक्त किया कि नासिक और त्र्यंबकेश्वर आने वाले तीर्थयात्रियों के लिए सुगम यातायात और सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए मजबूत और कुशल सड़कें और बुनियादी ढांचा होना चाहिए। उम्मीद है कि बड़ी संख्या में श्रद्धालु नासिक और त्र्यंबकेश्वर के साथ-

साथ शिरडी और शनि शिंगणापुर जैसे नजदीकी तीर्थ स्थलों पर जाएंगे। इसलिए बैठक में यह निर्णय लिया गया कि कुंभ मेले के अवसर पर नासिक से सटे राजमार्गों और नासिक को जोड़ने वाले राजमार्गों को विकसित किया जाए। इसमें मौजूदा सड़कों को चौड़ा करना, नए बाईपास का निर्माण और पर्यटकों की अपेक्षित आमद को समायोजित करने के लिए उन्नत यातायात प्रबंधन प्रणालियों को लागू करना शामिल है।

चांदिवली में शिवसेना को झटका

■ 100 शिवसैनिक भाजपा में शामिल

मुंबई. चांदिवली विधानसभा क्षेत्र से शिवसेना के पूर्व नगरसेवक ईश्वर तायडे और पूर्व नगरसेविका आकांक्षा शेटये के नेतृत्व में 100 से अधिक शिवसैनिकों ने भारतीय जनता पार्टी का दामन थाम लिया। मुंबई भाजपा अध्यक्ष एड. आशिष शेलार ने सभी नवागत कार्यकर्ताओं का गर्मजोशी से स्वागत किया। इस अवसर पर मुंबई बैंक के अध्यक्ष प्रवीण दरेकर विशेष रूप से उपस्थित रहे। एड. आशिष शेलार ने कहा कि यह शामिल होना केवल संख्या में वृद्धि नहीं, बल्कि चांदिवली में भाजपा की विचारधारा को बल देने वाला एक महत्वपूर्ण कदम है। चांदिवली में इस घटनाक्रम को भाजपा की नई ताकत और शिवसेना के लिए एक बड़ा राजनीतिक झटका माना जा रहा है।

मोघरपाड़ा के जमीन मालिक 'सह्याद्री' पर लिए गए फैसले पर अड़े

■ विधायक संजय केलकर से किया संपर्क

ठाणे. मेट्रो कार शेड के लिए मोघरपाड़ा के किसानों की जमीन अधिग्रहित की गई है, लेकिन यहां के प्रभावित किसान दो साल पहले मुंबई के सह्याद्रि बंगले में हुई बैठक में लिए गए फैसले पर अड़े हुए हैं। पुनर्वास की मांग करते हुए लगभग 250 जमीन मालिक विधायक संजय केलकर के पास पहुंचे और अपनी शिकायतें बताईं।मोघरपाड़ा के प्रभावित 167 लीजधारकों और 32 अतिक्रमणकारी किसानों के रुख से यह स्पष्ट है कि मेट्रो कार

शेड का मुद्दा अभी खत्म नहीं हुआ है। एमएमआरडीए ने कार शेड के लिए मोघरपाड़ा में कुल 174.01 हेक्टेयर जमीन अधिग्रहित की है। प्राधिकरण ने घोषणा की है कि लीजधारक किसानों को उनके मूल भूमि क्षेत्र का 22.5 प्रतिशत और अतिक्रमणकारियों को उनके मूल भूमि क्षेत्र का 12.5 प्रतिशत दिया जाएगा। हालांकि, प्रभावित किसान इस फैसले से सहमत नहीं हैं और दो साल पहले लिए गए फैसले पर अड़े हुए हैं। 2022 में मुंबई के सह्याद्री में हुई बैठक में प्रभावित किसानों को उनकी जमीनें स्थायी रूप से देने का फैसला किया गया। इस दौरान कई फैसले लिए गए। किसान मांग कर रहे हैं कि उन्हें उसी हिसाब से मुआवजा दिया जाए। जमीन अधिग्रहण के बाद किसान निराश हो गए और उन्होंने जनसेवक जनसंवाद पहल में शामिल होकर विधायक संजय केलकर से मुलाकात की और अपना मामला रखा। हम विकास के खिलाफ नहीं हैं, लेकिन हमने यह रुख अपनाया है कि पहले लिए गए फैसलों को लागू किया जाना चाहिए। इस बारे में बात करते हुए विधायक संजय केलकर ने कहा, जमीन मालिकों को स्थायी भूखंड देने का फैसला किया गया है।यह किसान सालों से जमीन पर खेती कर रहे हैं। मैं उन्हें न्याय दिलाने के लि एमएमआरडीए,जिलाधिकारी और संबंधित अधिकारियों से बात करूंगा।विधायक केलकर ने विश्वास जताया कि इन किसानों को न्याय मिलेगा।

जनता के लिए आयुष्मान कार्ड का उपयोग हुआ शून्य

■ आयुष्मान योजना सभी बीमारियों के लिए उपलब्ध कराई जाए

■ समाज सेवक डोंगरे ने की मुख्यमंत्री से मांग

ठाणे. गरीब मरीजों को मुफ्त इलाज मुहैया कराने के लिए आयुष्मान भारत योजना लागू की गई है।लेकिन इस योजना के तहत केवल कुछ खास बीमारियों का ही इलाज किया जा रहा है।नतीजतन गरीब मरीजों को अन्य इलाज नहीं मिल पा रहा है। इसीलिए सामाजिक कार्यकर्ता संगम डोंगरे ने मुख्यमंत्री को भेजे आवेदन पत्र में मांग की है कि आयुष्मान भारत योजना पर

पुनर्विचार किया जाना चाहिए और इस योजना को सभी बीमारियों के लिए लागू किया जाना चाहिए।डोंगरे ने मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस को भेजे गए आवेदन पत्र के अनुसार, आयुष्मान कार्ड, प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना और ज्योतिबा फुले आरोग्य योजना में मरीजों को कई तरह की बीमारियों का सामना करना पड़ता है। निजी अस्पताल में जाने के बाद इस योजना के तहत संबंधित बीमारियों का इलाज नहीं किया जाएगा, कहा जाता है कि केवल एक निश्चित बीमारी का ही इलाज किया जाएगा। इसलिए आम जनता को होने वाली बीमारियाँ जैसे बुखार, सर्दी, डेंगू, खांसी, निमोनिया, मलेरिया, टाइफाइड, पीलिया, एमनियोसेंटेसिस, सिजेरियन सेक्शन, डायरिया, साथ ही हर्निया, हाइड्रोसील, अप्रेंटिस आदि का इलाज निजी अस्पतालों में नहीं हो पाता।

अक्सर गरीब मरीजों को इन बीमारियों के इलाज की जरूरत पड़ती है। दिल की बीमारी जैसी बड़ी सर्जरी के लिए ही कुछ लोगों को इलाज की जरूरत पड़ती है। हालांकि दिल से जुड़े बड़े इलाज उपलब्ध हैं, लेकिन आयुष्मान भारत के तहत बाद के इलाज की योजना नहीं बनाई गई है। ठाणे में एक बुजुर्ग महिला की आयुष्मान भारत योजना से दिल की बीमारी के इलाज के लिए जरूरी पचास हजार रुपये का खून पतला करने वाला इंजेक्शन न मिलने से मौत हो गई। ऐसी कई घटनाएं हर दिन होती रहती हैं। कुल मिलाकर स्थिति यह है कि आयुष्मान कार्ड सिर्फ नाम का कार्ड है और इसका आम जनता द्वारा इस्तेमाल नहीं किया जा रहा है। इसलिए किसी भी तरह की बीमारी का इलाज सभी स्वास्थ्य योजनाओं के जरिए किया जाना चाहिए। ताकि आम जनता को अच्छा इलाज मिल सके। इसीलिए संगम डोंगरे ने निवासी उपजिलाधिकारी संदीप माने को भी आवेदन पत्र देकर मांग की है कि आयुष्मान भारत, ज्योतिबा फुले स्वास्थ्य योजना और प्रधानमंत्री योजना का दायरा बढ़ाया जाए और सभी बीमारियों का मुफ्त इलाज मुहैया कराया जाए।इस अवसर पर रसिक शाह सहित कई लोग उपस्थित थे।

पेड़ गिरने से 7 वाहन क्षतिग्रस्त

ठाणे. शहर के घोड़बंदर रोड पर कासरवडवली, खरडी गांव एवं मानपाड़ा, हैप्पी वैली इलाके में पेड़ गिरने से सात वाहन क्षतिग्रस्त हो गए . आपदा प्रबंधन विभाग ने बताया कि इन दोनों घटनाओं में कोई घायल नहीं हुआ है.

घोड़बंदर रोड पर कासरवडवली, खरडी गांव में पेड़ गिरने की सूचना आपदा प्रबंधन कक्ष के कर्मचारियों, दमकल कर्मियों, महावितरण कर्मचारियों और वृक्ष प्राधिकरण विभाग के कर्मचारियों को मिली. इस घटना में कोई घायल नहीं हुआ, लेकिन चार वाहन क्षतिग्रस्त हो गए, जबकि दूसरी घटना मानपाड़ा, हैप्पी वैली में हुई. जिसमें सड़क पर तीन वाहन क्षतिग्रस्त हो गये.

मंत्री नितेश राणे का जन्मदिन धूमधाम से मनाया गया

■ IGM अस्पताल में नवजात शिशुओं को किट तथा मरीजों को फल का वितरण.

भिवंडी. महाराष्ट्र के मंत्री नितेश राणे का जन्मदिन हिल लाइन हास्पिटल व श्री साईं सेवा संस्था के कार्यकर्ताओं की तरफ से धूमधाम से मनाया गया.इस अवसर पर सुबह स्व. इंदिरा गांधी उप जिला अस्पताल, भिवंडी में भिवंडी भाजपा जिला अध्यक्ष रविकांत सावंत के हाथों नवजात शिशुओं को किट और अन्य मरीजों को फल वितरित किया गया.

कार्यक्रम में उत्तर भारतीय समाज सेवा संस्था अध्यक्ष कृष्णगोपाल सिंह, पूर्व नगरसेवक उमेश भोईर, हिल लाइन अस्पताल के संचालक डॉक्टर शमशेर सिंह, श्री साई सेवा संस्था अध्यक्ष डॉक्टर स्वाति सिंह सहित अन्य लोग उपस्थित थे.कार्यक्रम में हिल लाइन अस्पताल के संचालक डॉक्टर शमशेर सिंह ने बताया कि प्रदेश के मंत्री नितेश राणे के जन्मदिन के अवसर पर अस्पताल की तरफ से भिवंडी स्थित आईजीएम हॉस्पिटल में जन्म लेने वाले सभी नवजात शिशुओं को कीट दिया जाएगा. उन्होंने बताया कि इस अस्पताल में साल भर में पैदा होने वाले सभी बच्चों को उनके जरूरत के किट और कपड़े मुफ्त में दिए जाएंगे. कार्यक्रम में अस्पताल में जन्म लेने के बाद भर्ती करीब 15 शिशुओं को यह किट वितरित किया गया है. वार्ड में एडमिट सभी मरीजों को फल वितरित किया गया.

सुंदरकांड व भजन कीर्तन सुनकर भक्त हुए मंत्रमुग्ध

ठाणे. श्री दुर्गा माता सेवा संस्था की ओर से शाम को हर शनिवार को सुंदरकांड भजन कीर्तन का आयोजन किया जाता है। सुंदर कांड व भजन गायक अतुल विश्वकर्मा ,नागेंद्र शर्मा, बजरंगी,रवि पाण्डेय, संतोष पाण्डेय, प्रहलाद दूबे, राकेश पाण्डेय, अभय कुमार सिंह,लकी मिश्रा कोरस देने वाले संजय

तिवारी, ढोल वादक शिवकुमार सिंह, मनोज मिश्रा, राकेश पाण्डेय,जगदीश तिवारी , अतुल विश्वकर्मा ने श्री दुर्गा माता मंदिर प्रांगण में आए हुए सभी भक्तों को अपने मुखारविंद से सुनाकर मंत्रमुग्ध कर दिया। इस कार्यक्रम को सफल बनाने में सरला वर्मा, ऊषा यादव, सुमित्रा विट्टी वर्मा, उमा तिवारी, सुनीता दुबे, राजनरायन दुबे, योगेश यादव, विजय गुप्ता, मंगला तिवारी, अजित पाण्डेय, घनश्याम यादव, सुशील पंडा, आदित्य तिवारी, राहुल, रवि पांडेय, दिनेश चौरसिया, अजय त्रिपाठी, बजरंगी, रविन्द्र तिवारी तथा मंदिर से जुड़े महिला भक्तों के सहयोग से कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। मंदिर के संस्थापक अध्यक्ष अरविन्द तिवारी ने कार्यक्रम में आए हुए सभी भक्तों का आभार व्यक्त किया।

मुंबई नाशिक महामार्ग पर डंपर चालक के लापरवाही से मिट्टी गिरने से 2 घंटे आवागमन धीमी गति से चला. इसकी जानकारी मिलते ही यातायात पुलिस अधिकारी, आपदा प्रबंधन प्रकोष्ठ कर्मचारी 1 पिकअप वाहन, 1 जेसीबी मशीन,1 डम्पर, अग्निशमन विभाग के कर्मचारी 1 अग्निशमन वाहन के साथ में तत्काल घटना स्थल पर पहुंच कर मिट्टी को साफ किया।

'रामायण' में विभीषण बनने वाले थे जयदीप अहलावत

■ बोले- शेड्यूल्स मैच नहीं हुआ

नितेश तिवारी की फिल्म 'रामायण' में इन दिनों चर्चा में बनी हुई है। इसमें रणबीर कपूर भगवान राम और साई पल्लवी माता सीता की भूमिका निभा रहे हैं। वहीं, एक्टर जयदीप अहलावत को विभीषण का किरदार ऑफर हुआ था, लेकिन इस रोल करने से इनकार कर दिया।

जयदीप अहलावत ने हाल ही में 'द लल्लनटॉप' से बातचीत में बताया कि उन्हें नितेश तिवारी की 'रामायण' में विभीषण का रोल ऑफर हुआ था, लेकिन शूटिंग की तारीखें उनके शेड्यूल से मैच नहीं हुई थी, जिस वजह से उन्होंने फिल्म छोड़ दी।

जैदीप ने कहा, मुझे फिल्म में विभीषण का रोल ऑफर हुआ था। फिल्म की कहानी के हिसाब से मेरे और रावण के किरदार के बीच कई जरूरी सीन थे, जिन्हें साथ में शूट करना था। लेकिन मेरे और रावण का किरदार निभा रहे अभिनेता के बीच शूटिंग की तारीखें आपस में मेल नहीं खा रही थीं। इसी वजह से मुझे फिल्म छोड़नी पड़ी।

शुरू हो चुकी है फिल्म की शूटिंग

बता दें, फिल्म रामायण की शूटिंग शुरू हो चुकी है। हाल ही में सेट से यश की पहली तस्वीर भी सामने आई थी, जिसमें वह जबरदस्त एक्शन मूड में नजर आ रहे थे। उनके लुक से साफ है कि वह रावण के रूप में एक नया अंदाज लेकर आ रहे हैं।

यश इस फिल्म में सिर्फ एक्टिंग ही नहीं कर रहे हैं, बल्कि वो को-प्रोड्यूसर भी हैं। इसके अलावा फिल्म के को-प्रोड्यूसर नामित मल्होत्रा हैं, जो 'रामायण' को ग्लोबल लेवल पर पहुंचाना चाहते हैं। फिल्म के निर्देशक नितेश तिवारी हैं, जिन्होंने 'दंगल' और 'छिछोरे' जैसी फिल्मों को डायरेक्ट किया है।

'रामायण' का पहला भाग दिवाली 2026 और दूसरा भाग दिवाली 2027 पर रिलीज किया जाएगा। इसका निर्माण नमित मल्होत्रा के प्राइम फोकस स्टूडियो और यश के मॉन्स्टर माइंड क्रिएशंस द्वारा संयुक्त रूप से किया जा रहा है।

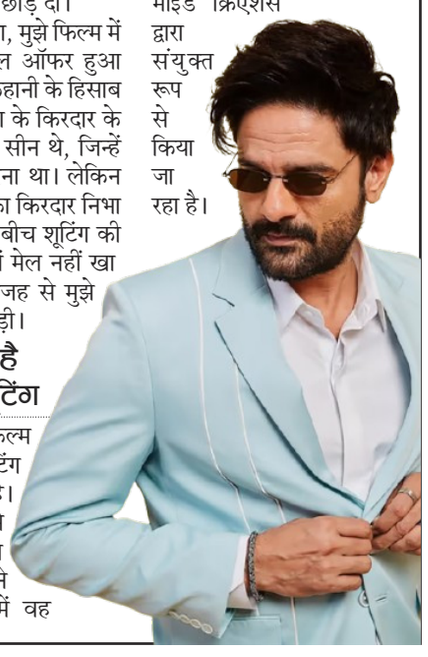

100 दिवसीय कार्ययोजना व विकास योजनाओं की समीक्षा को लेकर मंत्री जयकुमार गोरे की अध्यक्षता में हुई बैठक

ई-संपत्ति, सीएसआर पोर्टल एवं कर्मचारी ई-सूचना निधि प्रणाली पोर्टल का उद्घाटन

ठाणे. 100 दिवसीय कार्ययोजना, 150 दिवसीय कार्यक्रम और केंद्र एवं राज्य सरकार की योजनाओं की समीक्षा के लिए 23 जून को जिलाधिकारी कार्यालय, नवीन समिति हॉल में ग्रामीण विकास एवं पंचायत राज मंत्री जयकुमार गोरे की अध्यक्षता में बैठक आयोजित की गई।

इस बैठक में सांसद सुरेश गोपीनाथ म्हात्रे, पूर्व केंद्रीय मंत्री कपिल पाटिल, विधायक किसन कथोरे, सुलभा ताई गणपत गायकवाड़, राजेश मोरे, दौलत दरोडा, कुमार आयलानी, निरंजन डावखरे, संजय केलकर, ज्ञानेश्वर म्हात्रे,जिलाधिकारी अशोक शिंगारे, कोंकण संभागीय

अतिरिक्त आयुक्त डॉ. माणिक दिवे, जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी रोहन घुगे, परियोजना निदेशक छायादेवी शिसोदे, उप मुख्य कार्यकारी अधिकारी उपस्थित थे।उप मुख्यकार्यकारी अधिकारी अविनाश फड़तरे, मुख्य वित्त एवं लेखा अधिकारी वैजनाथ बुरुडकर, शिक्षा अधिकारी (प्राथमिक) बालासाहेब राक्षे, जिला स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. गंगाधर परगे, कार्यक्रम अधिकारी संजय बागुल, समाज कल्याण विभाग प्रमुख उज्ज्वला सपकाले, पशुपालन विभाग प्रमुख डॉ. कीर्ति डोईफोडे, कार्यकारी अभियंता प्रकाश सासे, कार्यकारी अभियंता (निर्माण) पद्माकर लहाने, साथ ही सभी तहसील समूह विकास अधिकारी, सभी तहसील स्वास्थ्य अधिकारी, सभी तहसील बाल विकास परियोजना अधिकारी और जिला स्तर के अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित थे।

जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी रोहन घुगे ने 100 दिवसीय कार्य कार्यक्रम के तहत विभिन्न पहलों को प्रस्तुत किया। इस अवसर पर, ग्राम पंचायत विभाग के माध्यम से 'डोर स्टेप डिलीवरी' पहल के तहत कुल 2,300 प्रमाण पत्र वितरित किए गए है। इसके अलावा, गोरे ने 1,100 जिला परिषद कर्मचारियों को पदोन्नत होने के लिए बधाई दी।मंत्री गोरे ने काम आवंटित करते समय चरणों की संख्या को कम करके प्रशासन को सरल बनाने की आवश्यकता जताई।

अगले 150 दिनों के कार्य कार्यक्रम के लिए योजना बनाने के निर्देश दिए गए। निर्देश दिए गए कि घरकुल योजना के तहत मनरेगा मजदूरों को 28 हजार रुपये समय पर दिए जाएं और पूरी प्रक्रिया में पारदर्शिता बरती जाए।

मंत्री गोरे ने सरकारी कामकाज में सुधार करके ग्राम पंचायतों की समस्याओं को हल करने के लिए अधिक गतिशील प्रशासन बनाने के उद्देश्य को रेखांकित किया। मुख्यमंत्री समृद्धि ग्राम प्रतियोगिता के अनुरूप, प्रतिस्पर्धी और कुशल प्रशासन बनाने के लिए सरकारी योजनाओं के 100 प्रतिशत कार्यान्वयन, स्कूलों में सीसीटीवी सिस्टम और 'आयुष्मान भारत' कार्ड आदि के वितरण पर जोर दिया गया।

कोडीन फॉस्फेट सिरप की 120 बोतलों के साथ तीन गिरफ़्तार

कल्याण. कल्याण डोंबिवली शहर में अवैध मादक पदार्थ बेचने वाले तस्करों के विरुद्ध पुलिस प्रशासन की कार्रवाई जारी है. मादक पदार्थों की तस्करी करने वालों पर पैनी नजर गड़ाए पुलिस विभाग को बड़ी सफलता मिली है. सोमवार को कोडीन फॉस्फेट सिरप की 120 सीलबंद बोतलों के साथ बाजार पेठ पुलिस ने तीन लोगों को गिरफ्तार किया है. कल्याण जोन 3 के डीसीपी अतुल झेंडे के मार्गदर्शन में स्क्वाड की विशेष टीम एवं बाजार पेठ पुलिस ने नशीले पदार्थ के साथ तीन लोगों को धर दबोचा.

मिली जानकारी के मुताबिक, आरोपियों की पहचान तौसिफ आसिफ सुर्वे (उम्र 34 निवासी कल्याण), लिंगराज अपाराय आलगुड (उम्र 40 उदय नगर , कलबुर्गी कर्नाटक) और इरफ़ान उर्फ़ मोहसिन सैयद (उम्र 34, गुलबर्गा कर्नाटक) के रूप में हुई है. ये तीनों बीती देर रात फोर्टिज हॉस्पिटल के सड़क पर किसी का इंतजार कर रहे थे, तभी गश्त के दौरान बाज़ार पेठ पुलिस स्टेशन की टीम को इनके हावभाव संदेहास्पद एवं संदिग्ध लगे. पुलिस टीम के पूछताछ के दौरान सही तरीके से जवाब नहीं दे सके. आरोपियों के पास से क़रीब 27 हज़ार रुपये मूल्य की एनरेक्स कफ सिरप के रूप में लेबल की गई सिरप और 100 मिलीलीटर की कुल 120 सीलबंद बोतलें बरामद की गईं . पुलिस मामला दर्ज कर आगे की जांच में जुटी है.

यह वृत्तपत्र प्रकाशक, मुद्रक, संपादक **श्री हीरो अशोक बोधा** ने श्री गोपाल प्रेस, ब्लॉक नं. ए-99/593, वेनसी जगनानी मार्ग, इंदिरा गांधी गार्डन के पास, उल्हासनगर- 421001. जिल्हा ठाणे, महाराष्ट्र से छपवाकर ब्लॉक नं. ए-99/593, वेनसी जगनानी मार्ग, इंदिरा गांधी गार्डन के पास, उल्हासनगर- 421001. जिल्हा ठाणे, महाराष्ट्र से प्रकाशित किया. **आर.एन.आई. नं. 43638/85** Email: ulhasvikas@gmail.com संपादकीय-विज्ञापन फोन : 2709099